● वर्ष-2
● अंक-239
रायपुर, रविवार
28 मई 2023
● पृष्ठ-6
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

अवकाश सूचना

समाचार पचीसा के कार्यलय में 28 मई रविवार अवकाश रहेगा। समाचार पचीसा का अगला अंक 40 मई मंगलवार को प्रकाशित होगा।

नए संसद भवन का उद्घाटन आज

नईदिल्ली। नई संसद भवन का उद्घाटन 28 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों किया जाना है। इससे पहले सुबह 7 बजे से ही हवन और पूजन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। इस पूजन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, राज्यसभा डिप्टी चेयरमैन समेत कई मंत्रियों की उपस्थिति होगी। इस पूजा को गांधी मूर्ति के पास किया जाएगा, जिसके लिए खास पंडाल भी बना है।

पूजन विधि संपन्न होने के बाद सुबह 8.30 बजे से नौ बजे तक लोकसभा के अंदर सेंगोल को वैदिक रीति रिवाज से स्थापित किया जाएगा। इस सेंगोल की स्थापना के लिए खासतौर से तमिलनाडु के मठ से 20 स्वामी उपस्थित होंगे। सेंगोल की स्थापना के बाद 9 से 9.30 बजे तक प्रार्थना सभा का आयोजन होगा, जिसमें शंकराचार्य सहित कई बड़े विद्वान पंडित और साधु संत हिस्सा लेंगे। माना जा रहा है कि इस दौरान शिव और आदि शंकराचार्य की भी पूजा होगी।

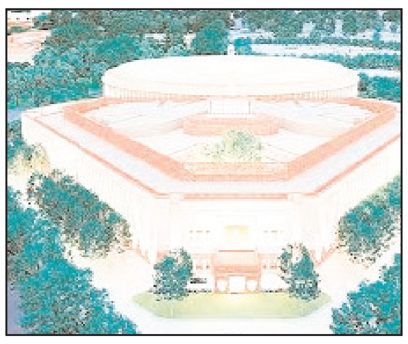

75 रुपए का सिक्का होगा जारी

इस दौरान एक खास सिक्का जारी किया जाएगा जो कि 75 रुपये का है। इसके साथ ही स्टांप भी जारी होगी। इन सभी कार्यक्रमों के होने के बाद कार्यक्रम का अंत होने से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संबधन होगा।संबोधन के साथ ही वो नई संसद का उद्घाटन करेंगे। संभावना है कि ये कार्यक्रम दोपहर 2 से ढ़ाई बजे तक जारी रहेगा।

सेंगोल पर सियासत

विपक्षी दलों ने राष्ट्रपति से संसद भवन का उद्घाटन न कराए जाने पर समारोह के बायकॉट का ऐलान कर दिया है। इसके साथ ही संसद भवन में रखे जाने वाले सेंगोल यानी राजदंड को लेकर भी बहस शुरू हो गई है। नई संसद में लगने जा रहे राजदंड सेंगोल को लेकर कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने दावा किया था कि इस बात का कोई ठ्ठी पुख्ता प्रमाण नहीं है कि इसे सत्ता हस्तांतरण के तौर पर सौंपा गया था। तमिलनाडु बीजेपी प्रमुख के अन्नामलाई ने 1947 में लॉर्ड माउंटबेटन द्वारा जवाहरलाल नेहरू को सेंगोल भेंट करने के बारे में थिरुववदुथुरै आदिनम अंबालावना देसिका परमाचार्य स्वामी के दावे के जवाब में कांग्रेस पार्टी की आलोचना की है। जयराम रमेश ने इस दावे का खंडन करते हुए कहा कि इस धारणा का समर्थन करने वाला कोई दस्तावेजी सबूत नहीं है कि माउंटबेटन, राजाजी और नेहरू राजदंड को भारत में ब्रिटिश सत्ता के हस्तांतरण के प्रतीक के रूप में मानते थे। रमेश ने ऐसे दावों को निराधार बताते हुए खारिज कर दिया।

नई संसद की विशेषताएं

नए संसद भवन के निर्माण के दौरान वायु और ध्वनि प्रदूषण पर रोकथाम के लिए कई कदम उठाए गए हैं। इसमें सभी संसद सदस्यों के लिए एक विशेष लाउंज, एक लाइब्रेरी, डाइनिंग हॉल और पार्किंग की जगह भी बनाई गई है। नए संसद भवन में अहम कामकाज के लिए अलग ऑफिस बनाए गए हैं, जो हाईटेक सुविधाओं से लैस हैं।

कैफे, डाइनिंग एरिया, कमेटी मीटिंग के तमाम कमरों में भी हाईटेक इक्विपमेंट लगाए गए हैं। कॉमन रूम, महिलाओं के लिए लाउंज के अलावा वीआईपी लाउंज की भी व्यवस्था की गई है। इन विशेष लाउंज में सांसदों को उनके सहयोगी, परिवार के लोगों के अलावा संसद भ्रमण के लिए आने वाले लोगों को बुलाने की छूट होगी।

लोकसभा और राज्यसभा के कक्ष में हर बेंच पर केवल दो ही सदस्यों के बैठने की व्यवस्था होगी। पुराने भवन में सांसदों को अंदर आने बाहर जाने में दिक्कत होती थी।

नए संसद भवन को हाईटेक करने के अलावा नई तकनीक से लैस किया गया है। सांसदों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए हर सीट पर डिजिटल सिस्टम और टच स्क्रीन लगाई गई है। इस डिजिटल सिस्टम को सांसद सीधे अपने मोबाइल या टैबलेट से कनेक्ट कर सकेंगे। इसमें खास बात यह है कि यह सिस्टम उसी सीट से कनेक्ट होंगे, जो आधिकारिक तौर पर उन्हें लोकसभा सचिवालय द्वारा अलॉट की गई है।

नए संसद भवन परिसर में लेटेस्ट ऑडियो-विजुअल सिस्टम भी लगाए गए हैं। संसद की कार्यवाही शुरू होने से पहले और सत्र स्थगित होने के बाद इनके जरिए सांसदों, कर्मचारियों को भी इसकी सूचना मिलती रहेगी।

नीति आयोग की बैठक से 11 मुख्यमंत्रियों गायब रहे

नयी दिल्ली। विकासशील भारत थीम पर आज नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की आठवीं बैठक संपन्न हुई। नीति आयोग की 8वीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक के बाद नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने कहा कि इस समय भारत टेक ऑफ मोमेंट में है। हम सिर्फ जनसंख्या के मामले में विश्व के सबसे बड़े देश हैं। कुछ साल में विश्व के 20त्न काम करने वाले आयुवर्ग के लोग भारत में होंगे। अगर इस समय(अगले 25 साल) सही चीजें की गई तो भारत निरंतरता के साथ लंबी अवधि तक तेज़ गति से विकास कर सकता है। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत उड़ान भरने के क्षण में है। हम न केवल जनसंख्या के हिसाब से सबसे बड़े देश हैं बल्कि 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी हैं। पांचवां कुछ वर्षों में तीसरा बनने जा रहा है।

नीति आयोग के सीईओ ने कहा कि जनसांख्यिकी न केवल लोगों की कुल संख्या के लिहाज से बल्कि युवाओं की संख्या के लिहाज से भी हमारे पक्ष में है। अगले कुछ वर्षों में भारत में दुनिया की कामकाजी उम्र की आबादी का लगभग 20त्न हिस्सा होगा और यह अगले 20 वर्षों के लिए कामकाजी उम्र के लोगों का सबसे बड़ा प्रदाता बनने जा रहा है।

2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने पर चर्चा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को 2047 तक एक विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए एक साझा दृष्टिकोण विकसित करने की आवश्यकता को रेखांकित किया और राज्यों से आर्थिक रूप से विवेकपूर्ण निर्णय लेने को कहा जो देश के सपनों को पूरा करने वाले कार्यक्रमों को पूरा करने में सक्षम हों। मोदी ने नीति आयोग की आठवीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक को संबोधित करते हुए यह बात कही, जिसमें कई मुख्यमंत्रियों, केंद्र शासित प्रदेशों के उपराज्यपालों और केंद्रीय मंत्रियों ने भाग लिया। प्रधान मंत्री ने राज्यों से वित्तीय रूप से विवेकपूर्ण निर्णय लेने का भी आग्रह किया जो उन्हें वित्तीय रूप से मजबूत और नागरिकों के कल्याण के लिए कार्यक्रम चलाने में सक्षम बनाएगा। पीएम मोदी अध्यक्षता में नीति आयोग की बैठक हर साल होती आई है। इस बार नए संसद भवन के साथ इस बैठक का भी बहिष्कार किया गया। नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने कहा कि इस बैठक में देश के 11 सीएम ने हिस्सा नहीं लिया।

बैठक का बहिष्कार किया जाना जन विरोधी, गैर जिम्मेदाराना : भाजपा

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने नीति आयोग संचालन परिषद की बैठक का बहिष्कार करने वाले मुख्यमंत्रियों की आलोचना करते हुए उनके फैसले को शनिवार को ''जन-विरोधी'' और ''गैर जिम्मेदाराना'' बताया। बैठक, यहां शनिवार को शुरू हुई। इसमें देश को 2047 तक विकसित देश बनाने के उद्देश्य से स्वास्थ्य, कौशल विकास, महिला सशक्तीकरण और बुनियादी ढांचा विकास समेत कई मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि नीति आयोग देश के विकास के लिए लक्ष्य तय करने, नीतिगत रूपरेखा तथा 'रोडमैप' तैयार करने के लिए एक महत्वपूर्ण संस्था है। उन्होंने कहा कि नीति आयोग की संचालन परिषद की आठवीं बैठक में 100 मुद्दों पर चर्चा करने का प्रस्ताव है लेकिन आठ राज्यों के मुख्यमंत्री इसमें भाग लेने के लिए नहीं आ रहे हैं। प्रसाद ने कहा कि अरविंद केजरीवाल(दिल्ली), भगवंत मान (पंजाब), ममता बनर्जी (पश्चिम बंगाल), नीतीश कुमार (बिहार), एम के. स्टालिन (तमिलनाडु), के. चंद्रशेखर राव (तेलंगाना) बैठक में भाग नहीं लेने वाले मुख्यमंत्रियों में शामिल हैं। उन्होंने कहा, ''मुझे बताया गया कि राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी शायद स्वास्थ्य कारणों से नहीं आ रहे हैं। सच क्या है वह (गहलोत) ही बता सकते हैं लेकिन उनकी ओर से (बैठक में) कोई प्रतिनिधित्व नहीं है।''

सैकड़ों घरेलू उत्पादों में पाए गए हानिकारक रसायन

नई दिल्ली। दैनिक उपयोग के लिए जिन चीजों का इस्तेमाल कर रहे हैं उनका अध्ययन कर शोधकर्ताओं ने लोगों को आगाह किया है कि रोजमर्रा के दर्जनों उत्पादों में ऐसे खतरनाक रसायन पाए गए हैं जो सेहत के लिए गंभीर समस्याकारक हो सकते हैं। शैंपू से लेकर डिटर्जेंट, लोशन, परफ्यूम और डिशवॉशिंग साबुनों की जांच में ऐसे हानिकारक तत्वों की मौजूदगी का पता चला है जो शरीर को अंदर ही अंदर नुकसान पहुंचा सकते है, कुछ रसायन तो इतने खतरनाक हैं कि इनसे कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों के विकसित होने का खतरा भी हो सकता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, रसायनों के उपयोग से उत्पादों की लाइफ बढ़ जाती है, इस छोटे से लाभ के चक्कर में लोगों की सेहत के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। हम सभी रोजाना इन चीजों का उपयोग करते हैं पर इस तरफ किसी का ध्यान नहीं जाता है। पर अध्ययन के निष्कर्षों में पाया गया है कि अगर समय रहते हमने सावधानी नहीं बरती और रसायनिक चीजों का इस्तेमाल जारी रहा तो यह भविष्य में समस्याओं को बढ़ाने वाला हो सकता है।

जर्नल एनवायरमेंटल साइंस एंड टेक्नोलॉजी में प्रकाशित इस अध्ययन के मुताबिक घरों और कार्यस्थलों में आमतौर पर इस्तेमाल होने वाले 100 से अधिक उत्पादों में हानिकारक रसायन पाए गए हैं। ये रसायन काफी खतरनाक हो सकते हैं, इससे कैंसर से लेकर और प्रजनन और विकास संबंधी समस्याओं का जोखिम हो सकता है। नेल पॉलिश, शैम्पू, लोशन, साबुन, क्लीनर, कपड़े धोने का डिटर्जेंट और डिशवॉशिंग जैसे तमाम उत्पादों में इसकी पुष्टि की गई है।

अध्ययन में क्या पता चला?

शोधकर्ताओं ने इस अध्ययन के लिए कैलिफोर्निया के दो डेटाबेसों को क्रॉस-चेक किया। पहले में वो उत्पाद थे जिनमें वोलाटाइल ऑर्गेनिक कंपाउंड्स (वीओसी) की मात्रा थी। ये ऐसे रसायन होते हैं जो गैस में बदलकर आसानी से हवा में चले जाते हैं। दूसरी सूची के उत्पादों में ऐसे रसायन थे जो कैंसर या प्रजनन-विकासात्मक समस्याओं का कारण बन सकते हैं।105 घरेलू उत्पादों पर किए गए इस परीक्षण में 65 में वीओसी और 33 में कैंसरकारक रसायनों की पुष्टि की। इसके अलावा कुछ उत्पादों में एक से अधिक रसायन भी पाए गए।एनवाईयू लैंगोन हेल्थ के प्रोफेसर और प्रमुख शोधकर्ता कुरुन्थाचलम कन्नन कहते हैं, हमारे द्वारा दैनिक रूप से उपयोग किए जाने वाले लगभग हर उत्पाद में वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों को पाया गया है।

प्रमुख समाचार

मोदी का भारत अलग है: एस जयशंकर

नईदिल्ली। विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर गुजरात दौरे पर हैं। अहमदाबाद में मोदी का भारत- एक उभरती हुई शक्ति कार्यक्रम को उन्होंने संबोधित किया। कहाकि मोदी का भारत अलग है...अपने दृष्टिकोण में अलग है...भारत की राजनीति और नीतियों में अलग है। उन्होंने एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज मैं भारत को एक देश के तौर पर देखता हूं जिसके पास विज़न है, जिसे पता है वो किस दिशा में जा रहा है, उसकी क्षमता क्या है।पिछले 20-30 साल में ग्लोबलाइजेशन के चलते विश्व में पुनर्संतुलन आया है। जो देश पहले विश्व पर हावी थे, वे अब उस स्तर पर हावी नहीं रहे। पीएम मोदी ने हमें थोड़ा अलग तरीके से सोचने के लिए कहा, उन्होंने हमें अगले साल या अगले दशक के बारे में सोचने के लिए नहीं कहा ... उन्होंने हमें अगले 25 वर्षों के बारे में सोचने के लिए कहा है।

बंगाल में जाति आधारित दंगे कराना चाहती है भाजपा: ममता

नईदिल्ली। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आज एक बार फिर से भाजपा पर निशाना साधा है। मेदिनीपुर रैली में ममता बनर्जी ने भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि वह समुदायों के बीच नफरत फैलाकर पश्चिम बंगाल नहीं जीत सकती।भाजपा कार्यकर्ताओं ने कल मंत्री और आदिवासी नेता बीरबाहा हंसदा की कार पर हमला किया। ममता ने आरोप लगाया कि भाजपा मणिपुर की तरह ही बंगाल में समुदायों के बीच दंगे कराने की साजिश रच रही है। मंत्री बीरबाहा हांसदा की कार पर कल कुर्मी समुदाय ने हमला किया था। मेरा मानना है कि बीजेपी ने कुर्मी समुदाय के नाम पर ऐसा किया, नारे लगाए और बीरबाहा हांसदा की कार पर हमला किया। ममता बनर्जी ने कहा कि भाजपा क्या कर रही है? कभी नोटबंदी तो कभी कुछ और। इस बार प्रधानमंत्री बदलेंगे। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि भाजपा बंगाल में जाति आधारित दंगे कराना चाहती है।

अब इसका निर्माण हो रहा है ये अच्छी बात है : आजाद

नईदिल्ली। ऐसे समय में जब विपक्ष के 19 दलों ने प्रधान मंत्री द्वारा नए संसद भवन के उद्घाटन का बहिष्कार करने का आह्वान किया है तो गुलाम नबी आज़ाद ने इस कदम की निंदा की है। डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आज़ाद पार्टी के प्रमुख ने कहा कि विपक्ष को रिकॉर्ड समय में नई संसद बनाने के लिए भाजपा सरकार की प्रशंसा करनी चाहिए। आजाद ने कहा कि अगर मैं दिल्ली में होता तो निश्चित रूप से नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह में शामिल होता, लेकिन मुझे एक समारोह में शामिल होना है। आज़ाद पार्टी के प्रमुख गुलाम नबी आज़ाद ने कहा कि विपक्ष को रिकॉर्ड समय में नई संसद के निर्माण के लिए सरकार की प्रशंसा करनी चाहिए, जबकि वे सरकार की आलोचना करते हैं। उन्होंने कहा कि करीब 30-35 साल पहले जब मैं संसदीय कार्य मंत्री था तब हमने इसका (नई संसद के निर्माण का) सपना देखा था।

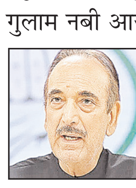

राजनीतिक मतभेद भुलाकर राष्ट्रीय एकता का अवसर बनाएं: कमल हासन

चेन्नई। अभिनेता एवं नेता कमल हासन ने राजनीतिक दलों से अपने मतभेदों को कुछ देर के लिए भुलाकर नए संसद भवन के उद्घाटन कार्यक्रम का बहिष्कार करने के फैसले पर पुनर्विचार करने और इसे राष्ट्रीय एकता का अवसर बनाने की अपील की। भारत के नए घर में उसके परिवार के सभी सदस्यों के रहने की जरूरत है। हासन ने कहा कि वह सहभागी लोकतंत्र में विश्वास करते हैं, इसलिए इस कार्यक्रम का बहिष्कार करने वाले सभी विपक्षी दलों से फैसले पर पुनर्विचार करने का आह्वान करते हैं। हासन ने आग्रह किया, ''कार्यक्रम पर आपकी कोई भी असहमति सार्वजनिक मंचों के साथ-साथ संसद के दोनों सदनों में भी उठाई जा सकती है।'' हासन ने यहां एक बयान में कहा कि राजनीतिक दलों को यह याद रखना चाहिए।

सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में महिला नक्सली, बीएसएफ के दो जवान घायल

कांकेर। पुलिस ने शनिवार को कहा कि छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में सुरक्षाकर्मियों के साथ मुठभेड़ में एक महिला नक्सली गंभीर रूप से घायल हो गई, जबकि सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के दो जवानों को भी मामूली चोटें आईं। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ उरपंझुर गांव के जंगलों में शुक्रवार रात उस वक्त हुई जब सुरक्षाकर्मियों का संयुक्त दल तलाशी अभियान पर निकला था। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित कांकेर जिले में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के दो जवान घायल हो गए तथा घायल महिला नक्सली पकड़ी गई है। पुलिस अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के परतापुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत उरपांजूर गांव के जंगल में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में बीएसएफ के जवान विकास सिंह और मालिक राम घायल हुए हैं।

जी-20 की बैठक ने जम्मू-कश्मीर को विश्व की आठ अरब आबादी से जोड़ा

मनोज सिन्हा

बदलाव एक घटना है। इसकी व्याख्या नहीं की जा सकती। लेकिन हां, इसे जिया जा सकता है। 22 से 25 मई के बीच जम्मू-कश्मीर ने भी एक बदलाव को देखा। उसे महसूस किया। उस बदलाव को उत्सव की तरह जिया। हालांकि इस बदलाव की पटकथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चार साल पहले लिखनी शुरू की थी, लेकिन इस कहानी का वास्तविक स्वरूप जी-20 की ऐतिहासिक बैठक के दौरान नजर आया। 27 देशों के 57 विदेशी प्रतिनिधियों की श्रीनगर में संपन्न हुई बैठक ने यह साबित कर दिया कि जम्मू-कश्मीर का दुखद अतीत बीत गया है और उसकी यात्रा में खुशियों का कारवां जुड़ गया है। जम्मू-कश्मीर के इस नए बदलाव ने तीन-दिवसीय टूरिज्म वर्किंग ग्रुप की मीटिंग के दौरान न सिर्फ 1.30 करोड़ नागरिकों को विश्व की आठ अरब आबादी से जोड़ा, बल्कि देश के इस मुकुट मणि को नई वैश्विक पहचान भी दी है।

मुझे स्मरण है, अगस्त 2020 में प्रधानमंत्री जी ने जब मुझे जम्मू-कश्मीर का कार्यभार सौंपा था, तब बदलाव की बयार परिधि पर थी और उसके केंद्र पर जड़ता हावी थी। हमने जम्मू-कश्मीर के नव-निर्माण के लिए हर क्षेत्र में बदलाव को केंद्र बनाया। तब से लेकर आज तक सतत और सजग प्रयासों ने अवाम की सुप्त आशा और आकांक्षा को जगाने का काम किया है। जी-20 की मीटिंग के दौरान पूरे केंद्र शासित क्षेत्र में दिवाली एवं ईद जैसा माहौल इस बात का गवाह है कि जम्मू-कश्मीर की कई पीढ़ियों को इस बदलाव का इंतजार करना पड़ा। इस पूरे आयोजन में आम नागरिकों की उत्कंठा, वैश्विक आकांक्षाओं से जुड़ने की अभिलाषा साफ झलक रही थी। जी-20 प्रतिनिधिमंडल के आगमन के साथ नागरिकों, समाज के प्रबुद्ध वर्गों की आपसी सहज मित्रता एवं अपनेपन की गहराई में सिर्फ आध्यात्मिक रिश्ते एवं सांस्कृतिक मूल्यों का आदान-प्रदान नहीं था, बल्कि तरक्की की ऊंचाइयों को छू रहे विश्व के साथ एक होने की प्रबल एवं प्रगाढ़ इच्छा भी थी।

यह भावना तीन दिवसीय उत्सव के दौरान अलग-अलग रूपों में प्रकट हुई। जम्मू-कश्मीर की नई पीढ़ी के नौजवानों ने श्रीनगर शहर में नाइट लाइफ का आनंद उठाते हुए वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कीं और उन्होंने लिखा कि कई पीढ़ियां बदलाव के इस दृश्य से महरूम रह गई थीं। उनके शब्दों में सपने और अरमान थे। उनकी बातों से एक संदेश साफ था कि अंतरराष्ट्रीय सहयोग के सबसे प्रमुख और ताकतवर मंच का जम्मू-कश्मीर में आगमन उनके जीवन में बदलाव की आहट है।एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य के विजन पर आधारित जी-20 की भारत की अध्यक्षता में देश के अलग-अलग हिस्सों में अब तक हुई बैठकों में जहां व्यापक सामाजिक-आर्थिक मुद्दे एवं एजेंडा केंद्र में थे, वहीं जम्मू-कश्मीर में सतत, ग्रीन तथा फिल्म पर्यटन के अलावा अवाम के अंदर वैश्विक मंच पर अंतरंग संबंध तथा नई आकांक्षाओं के साथ तालमेल बनाने की प्रबल इच्छा भी साफ दिखाई दे रही थी। वर्षों तक जम्मू-कश्मीर में पड़ोसी मुल्क द्वारा प्रायोजित आतंकवाद ने अवाम की इन आकांक्षाओं को दबाकर रखा था। लेकिन प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में पिछले तीन वर्षों के निरंतर प्रयासों की वजह से एक ऐसा परिवेश तैयार किया गया है, जहां एक सामान्य नागरिक पड़ोसी मुल्क के दुष्प्रचारों से प्रभावित हुए बिना और भय-मुक्त होकर न सिर्फ अपनी ख्वाहिशों को जाहिर कर रहा है, बल्कि शांति, समृद्धि और सम्मान का जीवन आज उसकी सबसे बड़ी प्राथमिकता है।

मात्र आंकड़े जमीनी हकीकत का मापदंड नहीं हो सकते। झेलम रिवरफ्रंट पर रात के वक्त बेखौफ सैर करना और पोलो व्यू हाई स्ट्रीट पर संगीत कार्यक्रम भी जमीनी बदलाव एवं विकास को प्रतिबिंबित करते हैं। जी-20 देशों के प्रतिनिधियों के सम्मान में अवाम का स्वयं आगे आकर स्वागत करना और अपने हुनर के मुताबिक शहर के अलग-अलग हिस्सों में कार्यक्रमों का आयोजन जम्मू कश्मीर के इतिहास में एक नए अध्याय की शुरुआत है। तारीख इस बात की गवाह है कि छोटे से छोटे आयोजनों के दौरान भी पूरे जम्मू-कश्मीर में कर्फ्यू का माहौल हो जाता था। लेकिन ऐसा पहली बार हुआ है कि इतने बड़े आयोजन के बावजूद न सिर्फ जन-जीवन सामान्य रूप से चल रहा था, बल्कि शैक्षणिक और व्यापारिक गतिविधियां भी पूरे जोशो-खरोश पर थीं। पड़ोसी मुल्क ने इस आयोजन के खिलाफ तमाम साजिशें कीं, लेकिन वे सफल नहीं हो सकीं और न ही जनता बहकावे में आई।

गौठान समिति को दी जाने वाली राशि का उपयोग गौठान के लिए नहीं

■ गुजरा के गौठान पहुंचकर भाजपा आमदी मंडल ने किया निरीक्षण, गौवंश को हो रही असुविधा पर भाजपाइयों ने जताई चिंता

धमतरी। पूरे प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी के द्वारा चलबो गौठान खोलबो पोल अभियान चलाया जा रहा है। जो निश्चित ही गौठान की स्थिति की पोल खोल रही है, सिर्फ कागज के पन्नों पर आवक और जावक दिखाकर, ना सुविधाएं गौवंश के लिए है और ना ही महिला समूह के लिए रोजगार, सिर्फ राज्य सरकार केंद्र सरकार के 14 वें वित्त एवं 15 वें वित्त के पैसे से गौठान का निर्माण तो किया, जिसमें राज्य के वित्त का एक अंश भी नहीं लगा है, और अब गौवंश के लिए किसी भी प्रकार की सुविधा ना होने से सिद्ध होता है कि गौठान निर्माण की योजनाएं फेल हो गई है, जहां राज्य सरकार ने रोका छेका अभियान चलाया वह भी विफल रही, आज गौवंश सड़क पर खड़ी नजर आती है जिससे अनेक दुर्घटनाएं होने की खबर सुनने को मिलती है, और गौठान की जो स्थिति आज हम देख रहे हैं, वह बरसात के दिनों में अत्यंत दयनीय नजर आएगी जब गौठान के चारों तरफ सिर्फ कीचड़ ही कीचड़ रहेगा, गौवंश के लिए कोई सुविधाएं नहीं होंगी, ना चारा मिलेगा ना पानी, सिर्फ महीने का महीने दस हजार देकर गौठान समिति को पूरे कांग्रेसी है उसको लाभ पहुंचाने का कार्य कांग्रेस की भूपेश बघेल की सरकार कर रही है, उक्त बातें विधायक प्रतिनिधि डीपेंद्र साहू ने ग्राम गुजरा के गौठान के निरीक्षण करने के दरमियान कहीं। आमदी मंडल उपाध्यक्ष राकेश साहू ने बताया कि गौवंश के लिए यदि राज्य सरकार ने केंद्र सरकार के पैसे का उपयोग गौठान निर्माण में किया है तो गौमाता को सुविधा मुहैया कराने राज्य सरकार को राज्यांश की राशि भी लगानी चाहिए थी, किंतु राज्य सरकार ने ऐसा नहीं किया जिससे आज गौठान में सिर्फ असुविधाएं है। गौठान निरीक्षण करने आमदी मंडल उपाध्यक्ष गौकरण साहू, ग्राम पटेल नंदलाल साहू, पूर्व उपसरपंच धरमलाल साहू, चितरंजन साहू, तामेश साहू, ईश्वर साहू, रूपेश साहू, राजाराम साहू सहित अन्य पहुंचे।

छत्तीसगढ़ में गांव-गरीब, किसानों और गौ पालकों की समृद्धि को भाजपाई पचा नहीं पा रहे : कांग्रेस

धमतरी। जिला कांग्रेस कमेटी धमतरी ने कहा कि पूरे देश में छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार देश की अकेली सरकार है जो गौसेवा के लिये गांव के गोधन एवं अन्य पशुओं के लिये गौठान बना कर गौ सेवा कर रही है तो भाजपा को इसमें भी पीड़ा हो रही। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष शरद लोहाना एवं छत्तीसगढ़ दिव्यांगजन सलाहकार बोर्ड के अध्यक्ष मोहन लालवानी ने संयुक्त विज्ञप्ति में कहा कि भाजपा गौठानों को बदनाम करने के लिये अभियान चला रही जबकि गौठानों और गोधन न्याय योजना की तारीफ पूरे देश में हो रही। भाजपा गौठानों में भ्रष्टाचार की बात कर अपनी खीझ निकाल रही है। भाजपा को गोठान और गौशाला के बीच का मूल फर्क ही नहीं मालूम। गौठान छत्तीसगढ़ की वर्षों की पुरातन परंपरा है, हमारी सरकार ने गांवों के उसी गौठान को संवारने का काम किया है। उन्होंने ने कहा है कि छत्तीसगढ़ में गांव, गरीब, किसानों और गौपालकों की समृद्धि को भाजपाई पचा नहीं पा रहे हैं। गरीब और कृषि श्रमिको सहित ग्रामीणों के अतिरिक्त आमदनी का जरिया बने गोधन न्याय योजना का विरोध कर भाजपाई अपने सामंतवादी चरित्र को एक बार फिर प्रमाणित कर रहे हैं। भूपेश सरकार ने छत्तीसगढ़ में विगत साढ़े तीन साल में 10624 गौठान बनाए हैं जिनमें से 5709 गौठान अब स्वावलंबी बन चुके हैं। योजना के अंतर्गत कोई भी राशि का भुगतान नगद रूप में नहीं होता है।

भाजपा बाराद्वार मंडल द्वारा चलबो गौठान खोलबो पोल के तहत गौठानौ का निरीक्षण

सक्ती। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर भाजपा बाराद्वार मंडल द्वारा आज चलबो गौठान खोलबो पोल के तहत ग्राम नगरदा,बरपालीकला,गुढवा,धनपुर तथा कुधरीटार, के गौठानौ का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण अभियान में प्रमुख रूप से सक्ती विधानसभा के पूर्व विधायक एवं प्रदेश महामंत्री पिछड़ा वर्ग मोर्चा डॉ खिलावन साहू शामिल हुए। साथ ही उन्होंने कहा कि निरीक्षण में किसी गौठान में गाय नहीं मिला साथ ही गौठानौ में चारा, पानी,गौबर भी नहीं मिला । प्रदेश के मुख्यमंत्री दावा करते हैं कि हमने प्रत्येक ग्राम पंचायत में उन्नीस लाख रुपए की लागत से गौठानौ का निर्माण करवाया है जिसमें सभी गौठानौ में लगभग तीन सौ गौ वंश रहते हैं लेकिन मुख्यमंत्री के कथनी विपरित नगरदा,गुड़वा, धनपुर में तो गौठानौ में घेरा तक नहीं है, किसी भी गौठानौ में चारा,पानी की व्यवस्था नहीं है। धनपुर में अभी सेड निर्माण प्रारंभ हुआ है।गौ वंश तो किसी गौठान में नहीं है वहीं गोबर तथा धर्मी कम्पोस्ट खाद तो ढूंढने से भी नहीं मिला है। बकरी पालन,मुर्गी पालन तथा अन्य गतिविधियों का भी धरातल में नामोनिशान नहीं है। इस प्रकार प्रदेश की कांग्रेस सरकार का नारा छत्तीसगढ़ के चार चिन्हारी नरवा,गरवा,घुरवा, बाड़ी योजना में सरकार ने जमकर भ्रष्टाचार किया है।

छत्तीसगढ़ में सत्ता में आते ही गरीबों किसानों के हितों में करेंगे काम: धनंजय परिहार

■ सक्ती के अग्रसेन चौक में शिवसेना की हुंकार
■ सक्ती में चल रहे सट्टा, अवैध प्लाटिंग पर जमकर बरसे शिवसैनिक

सक्ती। शिवसेना छत्तीसगढ़ में फिर निकल चुकी है अपनी तोड़ो यात्रा लेकर प्रचार रथ के साथ वहीं लगातार विधानसभा क्षेत्रों का दौरा करते हुए सदस्यता अभियान भी चला रही है।

इसी कड़ी में आज सक्ती के अग्रसेन चौक में शिवसेना प्रमुख छत्तीसगढ़ धनंजय परिहार द्वारा हुंकार भरते हुए कहा कि भाजपा हो या कांग्रेस लगातार छत्तीसगढ़ के मूल निवासियों को छलने का काम कर रही है, जो भी वायदे इन दोनों दलों ने छत्तीसगढ़ की जनता से किए थे वे आज तक पूरे नहीं हुए वहीं शिवसेना छत्तीसगढ़ में सरकार बनाती है तो प्रदेश के बेरोजगार युवाओं को औद्योगिक क्षेत्रों में 70 प्रतिशत रोजगार का वादा करते हैं, सभी मजदूर भाइयों को उचित मजदूरी दर निर्धारित करेंगे, महिलाओं को घर बैठे रोजगार के माध्यम से जोड़ते हुए 5000 रु तक आमदनी का वायदा करते हैं, कन्या के जन्म से पढ़ाई तक का खर्च हमारी सरकार वहन करेगी, बच्चों को कक्षा पहली से अंग्रेजी की पढ़ाई कराई जाएगी, ऐसे उद्योगो की अनुमति देंगे जिससे पर्यावरण दूषित ना हो, आदिवासियों को 25 लीटर देशी शराब बनाने की अनुमति शिवसेना सरकार में आते ही पारित करेगी, अनाप शनाप टैक्सों को खत्म करने का काम करेंगे, वन के प्रतिशत को बढ़ाने का भी काम करेंगे, बेरोजगार युवाओं को 5000 रु भत्ता देंगे,

किसानों के फसल का 3500 रु मुआवजा देंगे, सामुहिक खेती में 8 घंटे काम करने पर प्रति माह 6000 रु दिया जाएगा, बुजुर्ग, विधवा पेंशन 5000 रु करेंगे, हर विधानसभा क्षेत्र में आईटीआई खोलेंगे, जातिगत भेदभाव पूरी तरह से खत्म करने नए कानून बनाएंगे, मितानिनों के इलाज हेतु बीमा योजना प्रारंभ करेंगे, वहीं हर हाथ मे काम होगा। अपनी इन घोषणाओं के साथ लगातार शिवसेना प्रचार रथ के माध्यम से छत्तीसगढ़ के 50 विधानसभा क्षेत्र का दौरा कर रही है। वहीं सक्ती के अग्रसेन चौक में सत्ता, अवैध प्लाटिंग सहित आदिवासियों की जमीन खरीद पर भी शिवसेना प्रमुख ने स्थानीय प्रशासन को आड़े हांथो लेते हुए कहा कि सक्ती सट्टा की राजधानी बन गई है लेकिन स्थानीय पुलिस अपनी आंखें मूंदे बैठी है, या तो बड़ी दस्तूरी ले रही है या फिर ऊपर के दबाव में है यहीं कारण है कि सक्ती में सटोरियों पर कार्रवाई नहीं कि जा रही है। साथ ही गरीब आदिवासियों की जमीनों को खरीद यहां के लोग अवैध प्लाटिंग कर करोडों कमा रहें हैं लेकिन स्थानीय प्रशासन मुखदर्शक बनी बैठी है। श्री परिहार ने कहा कि हम सत्ता में आएंगे तो सबसे पहले सट्टा के गोरखधंधे पर अंकुश लगाते हुए, आदिवासियों की जमीनें वापिस कराने का काम करेंगे। इस अवसर पर शिव सेना के कार्यकारिणी अध्यक्ष प्रदेश प्रमुख धनंजय परिहार, मधुकर पाण्डेय महासचिव, रेशमलाल जांगड़े प्रदेश सचिव, प्रेमशंकर महिलांगे आदि उपस्थित थे।

भाजपा जिला कार्यालय सक्ती में जिला कार्यकारिणी की कामकाजी बैठक हुई

सक्ती। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय सक्ती में जिला कार्यकारिणी की कामकाजी बैठक हुआ जिसमें प्रमुख रूप से जिलाध्यक्ष कृष्णकांत चंद्रा की अध्यक्षता एवम संभाग प्रभारी किरण देव के आतिथ्य में जिला प्रभारी गुरपाल सिंह भल्ला विधानसभा प्रभारी विकास केडिया की उपस्थिति में आज की कामकाजी बैठक जिला कार्यालय में आयोजित की गई दूसरा बैठक मंडल स्तरीय बैठक भी संभाग प्रभारी ने ली।

भारतीय जनता पार्टी का कामकाजी बैठक में बस्तर से आए छत्तीसगढ़ प्रदेश के बिलासपुर संभाग प्रभारी किरण देव ने कहां की छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल की कांग्रेस सरकार के द्वारा गौठान के नाम पर 1300 सौ करोड़ का दुरुपयोग करके भारी भ्रष्टाचार किया गया है प्रत्येक गौठान में लगभग 19 लाख खर्च की बात करने वाले भूपेश बघेल बताए की आपके गांव के गोठान में 19 लाख लायक काम हुए हैं यह भी उन्होंने सवाल किया कि गोठान के नाम पर ग्राम पंचायतों के पैसों को जबरन गौठान में नहीं लगाया गया क्या सरपंच उधारी में नहीं फंसे इन सारे सवालों को इन सभी विषयों पर भूपेश बघेल से सवाल किया गया गौठान समिति को नियमानुसार चुनाव करके ग्रामीण स्तर पर नहीं बनाया गया है जिसको कांग्रेसी नेताओं के द्वारा बगैर चुनाव के गठन पर कब्जा कर लिया है भारत सरकार के मनरेगा स्वच्छ भारत मिशन 14वां वित्त 15 वा वित्त डी एम एफ जैसे योजनाओं का गांव के विकास के लिए राशि भेजी थी उसका गौठान के नाम पर भारी भ्रष्टाचार किया गया प्रत्येक गौठान में 300 गाय रखने का नियम है जो किसी भी गौठान पर गाय नहीं है गोबर खरीदी के नाम पर प्रतिमाह करोड़ों का भुगतान छत्तीसगढ़ सरकार कर रही है जबकि गोठानों में एक भी गाय कहीं नजर

नहीं आ रही है साथ ही इनके द्वारा 2 रुपए प्रति किलो की दर से गोबर खरीदा जा रहा है और उसी गोबर में मिट्टी कंकण मिलाकर वर्मी कंपोस्ट के नाम पर जबरन किसानों को 10 की दर में खरीदने पर मजबूर किया जा रहा हैं कांग्रेस के चंद लोगों को भ्रष्टाचार का पैसा दिलाने के लिए वर्मी कंपोष्ट खाद सोसाइटी से जबरन फर्जी भुगतान करा दिया गया जिससे धान खरीदी करने वाले सोसायटीओं को भी काफी नुकसान हुआ कांग्रेस की छत्तीसगढ़ की भूपेश सरकार रोका छेका की बात करती है लेकिन आज गाय सड़कों पर देखने को मिल रही है जो कि इनकी कथनी और करनी में अंतर को दिखाता है और इनके भ्रष्टाचार की पोल खोलता है कांग्रेस की भूपेश बघेल की सरकार के द्वारा प्रदेश में 2000 करोड़ का शराब घोटाला का खुलासा ईडी के द्वारा किया गया है पूर्व में कोयला में भारी भ्रष्टाचार किया गया है ये घोटालों की सरकार बन गई है। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष कृष्णकांत चंद्रा महामंत्री टिकेश्वर गबेल खिलावन साहू प्रीतम गवेल रामअवतार अग्रवाल गोपी सिंह ठाकुर हेतराम देवांगन प्रेम लाल पटेल अनूप अग्रवाल विद्या सिदार श्रीमती कमलेश जांगड़े रामनरेश यादव रंजन कुमार आदि उपस्थित थे।

गन्दे जल आपूर्ति के साथ पांच सूत्रीय मांगों को लेकर भारतीय शक्ति चेतना पार्टी ने सौंपा ज्ञापन

एमसीबी। नगर पालिक निगम चिरमिरी शहर में लंबे समय से विभिन्न समस्याओं को ले कर आम जनमानस परेशान हैं, जहां पानी की समस्याओं से ले कर ट्राफिक की अव्यवस्थाओं की वजह से जनता परेशान है, हम पेय जल की बात करें तो चिरमिरी में इन दिनों नगर निगम एवं पी एच ई विभाग द्वारा जिस जल की आपूर्ति की जा रही है वह अत्यधिक गन्दा, फिल्टर रहित दूषित प्रदाय किया जा रहा है। जिससे पुरे चिरमिरी क्षेत्र में लोगो में टायफाइड जैसे रोग के लक्षण दिखाई देने लगे हैं यदि समय रहते इस पर कोई कार्यवाही नहीं की गई तो यह एक माहामारी का रुप लेने में समय नहीं लेगा फिर विभाग इसकी जिम्मेदारी किसपर मढेगा यह तो विभाग ही जाने। वही शनीचरी बाजार हल्दीबाड़ी में स्लाटर हाउस में मांस मछली की दुकान ना लगाकर अब बीच सड़क में लगाया जा रहा है जिससे सात्विक भोजन करने वाले लोगो को दुर्गंध एवं खून खराबे वाली जगह से होकर गुजरना पड़ता है। जिससे उनकी भावनाओं को तो ठेस पहुंचती है और साथ ही आम जन मानस में भी बीमारियों का खतरा बना रहता है। जिसकी रोक थाम बहुत ही जरूरी है । व्यापारी और ठेले वालो द्वारा सड़क पर ही अपनी दुकान लगाने से सड़क में जाम की स्थिति बनी रहती है,साथ ही साथ शहर भर में अवैद्य शराब की बिक्री भी जगह जगह पर हो रही है, जिससे कई जीवन और परिवार अस्त व्यस्त हो जाते हैं इन असामाजिक तत्वों से शहर में चोरी और मार पीट जैसी घटनाएं आम हो चली है । इसी के साथ नगर निगम के प्लेस मेंट

कर्मचारियों के तीन माह से लम्बित वेतन के कारण कर्मचारियों में निराशा का भाव जागृत हो चुका है वे जीवन यापन जैसी समस्याओ से जूझ रहे हैं जिसको ले कर आज भारतीय शक्ति चेतना पार्टी जो कि समाजहित से जुड़े मुद्दों पर अब अपने? कदम बढ़ाते नज़र आ रही है, इन सभी समस्याओं को ले कर भारतीय शक्ति चेतना पार्टी ने इन समस्याओं के संबंध में ज्ञापन सौंपा है और यह भी कहा है कि अगर इन समस्याओं का निवारण जल्द से जल्द नहीं हुआ तो बहुत ही जल्द भारतीय शक्ति चेतना पार्टी द्वारा आंदोलन भी किया जाएगा। इस पुरे कार्यक्रम में कमल देव (जिलाअध्यक्ष), सुमंत डे (उपाध्यक्ष), ओंकार प्रसाद पांडे (महासचिव), भुनेश्वर योग भारती, सुमन दास योग भारती, शादी राम योग भारती, राम किशुन योग भारती,रानी सारथी (महासचिव), रोशनी सारथी (ब्लाकमहासचिव),नंदनी पाल (सचिव), उर्मिला देवी, हरमुनी देवी (प्रचार मंत्री), ममता सारथी, बाबी साथी, शांति देवी, रेनू (सचिव), महेश प्रसाद योग भारती, नरेश प्रसाद योग भारती एवं अन्य साथी गण उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़
प्रमुख समाचार

विधायक के पास पानी की समस्या लेकर पहुंचे ग्रामीण

धमतरी। बढ़ती धूप गर्मी के कारण क्षेत्र के अनगिनत वार्डो व गांवों में पानी की समस्या उत्पन्न हो रही है, तथाकथित अनेक वार्ड के वार्डवासी व ग्रामीण जब जब विधायक के समक्ष अपनी समस्या लेकर आए हैं उसका निराकरण त्वरित ही फोन के माध्यम से सम्बंधित विभाग से चर्चा कर समस्याओं को दूर करने के लिए कहा है, इसी तरह स्टेशन पारा यादवपारा के वार्डवासी पानी की समस्या को लेकर विधायक निवास पहुंचे, जहां पर विधायक रंजना साहू ने सर्वप्रथम वार्डवासियों की समस्याएं सुनी और तत्काल ही नगरनिगम विभाग के ईई विजय खलखो को बुलाकर पानी की समस्या को दूर करने हेतु टैंकर की सुविधा मुहैया कराने कहां और अति शीघ्र बोर खनन करने की बात कही, जिससे वार्डवासियों को पानी समस्या से निजात मिल सके। विधायक ने कहा है कि जब तक बोर खनन नहीं होगा तब तक टैंकर के माध्यम से वार्ड में पानी पहुंचाई जाए। मिलने आए सभी यादव पारा वार्डवासियों ने त्वरित ही निराकरण करने के लिए विधायक का धन्यवाद व्यक्त किए।

दिनदहाड़े सड़क पार करते दिखा भालू, वीडियो वायरल

कांकेर। गोविंदपुर में दिनदहाड़े बीच सड़क पर भालू को घूमते देखा गया है। सड़क पर दिनदहाड़े भालू को देखकर लोगों के होश उड़ गए। दिन के वक्त भालू को रोड क्रॉस करता देखकर ट्रैफिक थम सा गया। लोगों ने उसका वीडियो बनाकर वायरल कर रहे है। जब भालू ने सड़क पार कर लिया, तब जाकर सड़कों पर गाड़ियां दौड़ी। शाम ढलते ही भालुओं का पहाड़ी से उतरकर आबादी वाले इलाकों की ओर रुख करना अब कांकेर शहर में आम बात हो चुकी है। गर्मी के कारण भोजन-पानी के लिए आबादी वाले इलाके में भालूआ रहे है। गुरुवार को गोविंदपुर के नजदीक के पहाड़ी से एक भालू उतरकर आबादी वाले इलाके में घुस आया। वो काफी देर तक सड़क के किनारे ही घूमता रहा और मार्ग से गुजर रहे लोगों में दहशत बनी रही। कुछ लोगों ने इसका वीडियो भी बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। सड़क किनारे घूमने के बाद भालू वापस पहाड़ी की ओर जाने के लिए सड़क पार करने लगा, तो मार्ग से गुजर रहे बाइक सवारों ने तत्काल अपने वाहन कुछ दूरी पर रोक लिए।

प्रदेश कार्यसमिति सदस्य ने निगम आयुक्त को सौंपा ज्ञापन

चिरमिरी। जिला मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर के अंतर्गत आने वाले नगर पालिक निगम चिरमिरी क्षेत्र की तीन मांगों को लेकर प्रदेश कार्यसमिति सदस्य चंदन गुप्ता ने नगर पालिक निगम चिरमिरी आयुक्त को सौंपा ज्ञापन चंदन गुप्ता ने बताया कि नगर पालिक निगम सीनरी में कार्यरत स्थाई एवं प्लेसमेंट कर्मचारियों के वेतन का भुगतान पिछले 4 और 3 महीने से नहीं हुआ है जिसे जल्द से जल्द भुगतान कराया जाए इसी के साथ नगर पालिक निगम सिमरी क्षेत्र में पिछले 2 माह से पेयजल के नाम पर मटमैला पानी की सप्लाई की जा रही है इसे भी जल्द से जल्द सुधार करते हुए स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था की जाए इसके अलावा तीसरी मांग चिरमिरी नगर पालिक निगम क्षेत्र में पूर्व में 7 सिटी बस संचालित थी लेकिन वर्तमान में केवल दो सिटी बस चल रही हैं बाकी पांच सिटी बस गैरेज में खड़ी है कृपया इन्हें जल्द से जल्द खड़ी बसों को संचालित कराने की मांग की है। यदि तीनों मांगों को लेकर कार्यवाही नहीं होती है तो मैं भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ निगम के सामने आंदोलन करुंगा।

महापौर ने सड़क निर्माण कार्य का किया निरीक्षण

कोरबा। महापौर राजकिशोर प्रसाद ने वार्ड क्र. 23 में 97.63 लाख रूपये की लागत से किए जा रहे सड़क डामरीकरण कार्य का निरीक्षण किया। डामरीकरण के पूर्व बिछाये गये जी.एस.बी. के लेबल एवं उसका कंपेक्शन एवं कार्य की धीमी प्रगति को लेकर ठेकेदार को फटकार लगाते हुए निर्देश दिया कि जी.एस.बी. और डब्ल्यू.एम.एम. डालते हुए सारे घटकों को निर्धारित अनुपात में डाले। कैम्बर को समुचित रूप से संधारण कर रोलिंग सही ढंग से कराये। कार्य की धीमी प्रगति को देखकर महापौर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बरसात प्रारंभ होने में अब अधिक समय नहीं बचा है, अत: कार्य की गति को बढ़ाते हुए डामरीकरण कार्य शीघ्रताशीघ्र पूर्ण कराये, जिससे यहाँ के आमनागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा वार्ड क्र. 23 के अंतर्गत विभिन्न सड़कों के डामरीकरण का कार्य 97.63 लाख रूपये की लागत से कराया जाना है। नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत सड़क संबंधी समस्त समस्याओं का सम्पूर्ण निदान किया गया है।

बाल-बाल बचे भाजपा नेता, बड़ा हादसा टला

जांजगीर। जिले के बनारी गांव में एनएच-49 पर भाजपा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य लीलाधर सुल्तानिया बाल-बाल बचे हैं। बिलासपुर से रांची जाने वाली राजहंस सर्विस की बस को ड्राइवर तेज रफ्तार से चला रहा था और पुटपुरा चौक के पास बस बेकाबू हो गई। इसी दौरान सामने से भाजपा नेता लीलाधर सुल्तानिया कार से जांजगीर की ओर से घर जा रहे थे। यहां बेकाबू बस से बचाने, कार के ड्राइवर ने कार की स्टेयरिंग को खेत की ओर मोड़ दिया और फिर कार खेत में उतर गई। इस तरह बड़ी घटना टल गई, नहीं तो बस के ड्राइवर की लापरवाही से आमने-सामने की टक्कर होने से बड़ी घटना घट सकती थी। बस की रफ्तार काफी तेज थी और यात्री भी बड़ी संख्या में बस में सवार थे। रफ्तार की वजह से बस भी पलट सकती थी। राहत की बात रही, कोई अनहोनी नहीं हुई। बनारी में हादसे होने से बचने के बाद बस की रफ्तार कम नहीं हुई और बस को लेकर ड्राइवर मौके से भाग निकला। बस को स्थानीय लोगों और पुलिस ने खोखसा फाटक में रोका और सिटी कोतवाली लेकर पहुंचे।

एमआईसी ने दी अटल आवास सर्वेक्षण के साथ विभिन्न कार्यो की स्वीकृति

■ कोरबा महापौर की अध्यक्षता में एम.आई.सी. की बैठक सम्पन्न

कोरबा। महापौर प्रसाद की अध्यक्षता में नगरपालिक निगम कोरबा के मुख्य प्रशासनिक भवन साकेत स्थित एम.आई.सी. कक्ष में गुरुवार को मेयर इन काउंसिल की बैठक आयोजित हुई। बैठक में नगरपालिक निगम कोरबा के मेयर इन काउंसिल सदस्यों द्वारा विभिन्न जनोपयोगी विकास व निर्माण कार्यो के अतिरिक्त आंगनबाड़ी के संबंध में जुड़े हुये मुद्दों पर चर्चा करते हुये प्रस्तुत प्रस्तावों पर निर्णय लिया गया ।

एम.आई.सी. ने वार्ड क्रमांक 14 में निर्मित अटल आवास एवं वाल्मिकी अम्बेडकर आवास योजना के तहत आबंटित आवासों के जर्जर व जीर्ण-शीर्ण आवासों की मरम्मत कराने के संबंध में चर्चा के दरम्यान सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि उक्त भवनों का लोक निर्माण विभाग, कोरबा द्वारा उसके स्थाईत्व परीक्षण (स्टेबिलिटी परीक्षण) करवाकर प्राप्त प्रतिवेदन अनुसार स्थाई

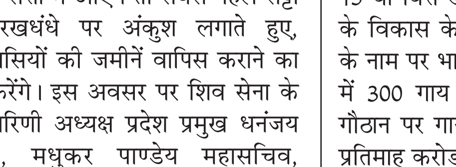

समाधान के रूप में मरम्मत कार्य अथवा अन्य निर्माण कार्य हेतु शासन को स्वीकृति हेतु प्रस्ताव भेजा जावें एवं स्वीकृति की प्रत्याशा में निविदा आमंत्रित करने हेतु प्रस्ताव का अनुमोदन किया। यह प्रक्रिया नगर निगम कोरबा क्षेत्र के अन्तर्गत अन्य वार्डो में भी आगे चलकर चरणबद्ध तरीके से लागू की जावेगी।

इसके साथ ही निगम क्षेत्रान्तर्गत स्थित आंगनबाड़ी केन्द्रों के संबंध में चर्चा के दरम्यान यह तथ्य सामने आया कि महिला एवं बाल विकास विभाग से प्राप्त सूची के अनुसार निगम क्षेत्रान्तर्गत 34 आंगनबाड़ी पूर्णत: जर्जर स्थिति में है, जिन्हें तोड़कर बनाने की आवश्यकता है तथा 135 आंगनबाड़ी मरम्मत करने के योग्य हो चुके हैं एवं एक आंगनबाड़ी वार्ड क्रमांक 14 मैग्जीन भाठा में नया भवन बनाये जाने की आवश्यकता है। तत्संबंध में मेयर इन काउंसिल ने परियोजना अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग - कोरबा तथा कलेक्टर महोदय को पत्र भेजने हेतु सर्व सम्मति से प्रस्ताव पारित कर कहा कि किसी भी प्रकार की संभावित दुर्घटना से सुरक्षा के लिए तत्काल कार्यवाही करना सुनिश्चित करें। इसके अलावा 15वें वित्त आयोग के अन्तर्गत पॉच करोड़ पैंतालीस लाख रुपये की लागत की कार्य योजना को शासन स्तर पर स्वीकृति हेतु भेजने के साथ स्वच्छ भारत अभियान अन्तर्गत 18.53 लाख की लागत के प्रस्ताव को भी शासन को भेजने हेतु सर्वसम्मति से पारित किया गया। बैठक के दौरान मेयर इन काउंसिल सदस्य संतोष राठौर, सुनील पटेल, .पाराम साहू, सुनीता राठौर, मस्तुल सिंह कंवर, प्रदीप जायसवाल, पालूराम साहू, सपना चौहान, रोपा तिर्की, सुख सागर निर्मलकर, फूलचंद सोनवानी, अपर आयुक्त खजांची कुम्हार, एम.के.वर्मा आदि उपस्थित थे।

गरज के साथ हुई वर्षा, नवतपा से मिली राहत

कोरबा। वातावरण में मौसमी उतार चढ़ाव का पुरजोर असर देखा जा रहा है। नवतपा के दूसरे दिन सुबह व शाम को गरज-चमक के साथ हुई वर्षा तापमान में कमी आ गई। बीते दो दिनों से चढ़ा तापमान 42 डिग्री सेल्सियस से लुढ़कर 38 डिग्री पर आ पहुंचा। तपती धूप से राहत तो मिली लेकिन उमस का असर तेज हो गया। वर्षा के बाद धूप और फिर से वर्षा के कारण लोग तर बतर पसीने से हलकान रहे। आने वाले दिनों में भी मौसमी उतार चढ़ाव जारी रहने की संभावना है।

तपती गर्मी के बीच गुरूवार को हुई वर्षा ने उमस का असर तेज कर दिया है। सूर्योद के पहले ही आसमान में काले बादल छा गए। तेज हवा के साथ हल्की बूंदाबांदी कुछ ही मिनटों में तेज वर्षा में परिवर्ति हो गई है। लगभग 15 मिनट

तक हुई वर्षा के बाद मौसम साफ हो गया। वातावरण में नमी फैलने की वजह से तापमान में कमी आ गई। वर्षा के कारण जमीन तर. बतर हो गई। दोपहर को धूप चढ़ने के बाद उमस का असर तेज हो गया। चिपचिपा पसीने से लोग हलकान रहे। उमस के बीच जैसे ही दोपहरी बीती शाम पांच बजते ही फिर से मौसम बदलने लगा। आसमान में बदली छाने लगी और तेज हवा के साथ वर्षा होने लगी। वर्षा के कारण अन्य दिनों की तुलना में शाम के समय लोगों ने गर्मी से राहत महसूस किया। पूरे दिन दोपहर के की गर्मी के दौरान शहर के मुख्य मार्गों में यातायात थमी रही। गर्मी के कारण सड़क में मृग मारीचिका का असर देखा जा रहा। प्याऊ में लोगों की भीड़ देखी गई। धूप से बचने के लिए आमजन गमछा, चश्मा, टोपी, स्कार्फ आदि का सहारा ले रहे हैं। शीतल पेय सामानों की खपत बढ़ गई है। मौसम के बदले तेवर ने आम के फसल का काफी नुकसान पहुंचाया है। मिट्टी में नमी आने से आगामी खेती के लिए जोताई की राह आसान हो गई है। बदले मौसम के मिजाज का शहर ही नहीं बल्कि पाली, करतला, कटघोरा, पसान, तुमान, बांकीमोंगरा, दीपका, दर्री, छुरी व बालको आदि स्थानों में भी व्यापक असर रहा।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

केजरीवाल-खड़गे समेत कई लोगों के खिलाफ केस दर्ज

नईदिल्ली। नए संसद भवन के उद्घाटन को लेकर राजनीतिक तकरार जारी है। 21 विपक्षी दलों ने इसका विरोध किया है। उनकी मांग है कि नए संसद भवन का उद्घाटन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के द्वारा किया जाना चाहिए। वहीं, खबर यह भी है कि नए संसद भवन के उद्घाटन के संबंध में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की जाति का हवाला देते हुए भड़काऊ बयान देने के लिए अरविंद केजरीवाल, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और अन्य राजनीतिक नेताओं के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई है। शिकायतकर्ता ने केजरीवाल, खड़गे और अन्य पर अपने राजनीतिक उद्देश्यों को पूरा करने के लिए समुदायों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने और भारत सरकार के खिलाफ अविश्वास पैदा करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। एक रिपोर्ट के अनुसार, इसको लेकर आईपीसी की धारा 121,153ए, 505 और 34 के तहत शिकायत दर्ज कराई गई है। कांग्रेस, आप और अन्य विपक्षी दल नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को आमंत्रित नहीं करने के लिए भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर निशाना साध रहे हैं।

केजरीवाल को गलती का एहसास होना चाहिए : अनिल

नई दिल्ली। दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष अनिल चौधरी ने शनिवार को कहा कि आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तारीफ करने की अपनी गलती का एहसास करना चाहिए। उनकी टिप्पणी केजरीवाल द्वारा मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी से राष्ट्रीय राजधानी में प्रशासनिक सेवाओं के नियंत्रण पर केंद्र के अध्यादेश के खिलाफ समर्थन की मांग के मद्देनजर आई है। अनिल चौधरी ने कहा, अरविंद केजरीवाल से मुलाकात करेंगे या नहीं इस पर कांग्रेस आलाकमान फैसला लेगा। जब तमाम विपक्षी पार्टियां साथ थीं तो वह भाजपा की तारीफ करते रहे। उन्हें अपनी गलती का एहसास होना चाहिए। केजरीवाल ने 23 मई को दिल्ली में नौकरशाहों के तबादलों और नियुक्तियों पर केंद्र सरकार द्वारा लाए गए अध्यादेश के खिलाफ विपक्षी दलों से समर्थन मांगने के लिए देशव्यापी दौरे की शुरुआत की।

प्रधानमंत्री मोदी को अध्यादेश वापस लेना चाहिए : केसीआर

हैदराबाद। केंद्र सरकार द्वारा लाए गए अध्यादेश के खिलाफ दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल लगातार विपक्षी दलों के नेताओं से मुलाकात कर रहे हैं। शनिवार को उन्होंने हैदराबाद में अपने तेलंगाना के समकक्ष के. चंद्रशेखर राव से मुलाकात की। इस दौरान तेलंगाना के मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव ने दिल्ली में सेवाओं के नियंत्रण पर केंद्र के अध्यादेश को वापस लेने की मांग की। हैदराबाद में चंद्रशेखर राव ने कहा ने कहा कि हम केजरीवाल के साथ खड़े रहेंगे। उन्होंने कहा कि अध्यादेश को नाकाम करने के लिए लोकसभा और राज्यसभा में अपनी पूरी ताकत लगा देंगे। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि पीएम मोदी को अध्यादेश वापस लेना चाहिए, हम इसकी मांग करते हैं। तेलंगाना के सीएम ने कहा कि यह समय आपातकाल के दिनों से भी बदतर है, आप (केंद्र) लोगों द्वारा चुनी गई सरकार को काम करने की अनुमति नहीं दे रहे हैं।

सिद्धारमैया मंत्रिमंडल का हुआ विस्तार, 24 ने ली शपथ

बेंगलुरु। कर्नाटक में सरकार गठन के एक हफ्ते बाद शनिवार 24 कांग्रेस विधायकों ने मंत्री के रूप में शपथ ली। राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने इन मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस दौरान मंच पर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार समेत कांग्रेस के कई बड़े नेता मौजदू रहे। नए मंत्रियों के शपथ ग्रहण समारोह में हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू और उनके झारखंड के समकक्ष हेमंत सोरेन शामिल हुए। नए मंत्रियों के शपथ के बाद कर्नाटक सरकार में 34 मंत्री हो गए हैं। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार सहित 10 मंत्रियों को 20 मई को शपथ दिलाई गई थी। कर्नाटक के नए निर्वाचित विधायक के. वेंकटेश, डॉ. एच. सी. महादेवप्पा, ईश्वर खंड्रे, के. एन. राजन्ना, नए निर्वाचित विधायक दिनेश गुंडू राव, शरणबसप्पा दर्शनापुर, शिवानंद पाटिल, टी. आर. बालप्पा, एस. एस. मल्लिकार्जुन, टी. एस. संगप्पा, डॉ. एस.आर. पाटिल, मंकल वैद्य, एच. के. पाटिल, कृष्णा बायरे गौड़ा, एन. चेलूनारस्वामी ने मंत्री पद की शपथ ली।

नई संसद भवन की क्या जरूरत थी : नीतीश कुमार

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को एक नए संसद भवन की आवश्यकता पर सवाल उठाया और कहा कि रविवार को इसके उद्घाटन समारोह में शामिल होने का कोई मतलब नहीं है। पटना में पत्रकारों से बातचीत में कुमार ने कहा कि नई संसद की क्या जरूरत थी? पहले की इमारत एक ऐतिहासिक थी। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि मैंने बार-बार कहा है कि सत्ता में बैठे लोग इस देश के इतिहास को बदल देंगे। नीतीश ने साफ तौर पर कहा कि आज नीति आयोग की बैठक और कल नए संसद भवन के उद्घाटन में शामिल होने का कोई मतलब नहीं था। बिहार के मुख्यमंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि सत्ता में बैठे लोग भारत के इतिहास को बदल देंगे। जनता दल (यूनाइटेड) के नेता ने कहा कि वह भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू का सम्मान करते हैं और इसीलिए जब नेहरू की मृत्यु हुई तो उन्हें बुरा लगा। उन्होंने अपना हमला जारी रखते हुए कहा कि वर्तमान संसद भारत के इतिहास का हिस्सा है।

केंद्र सरकार के 9 साल पूरे होने पर प्रधानमंत्री का ट्वीट

स्नेह पाकर और मेहनत करने की ताकत मिलती है : मोदी

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेतृत्व में एनडीए सरकार के 9 साल पूरे हो रहे हैं। इस अवसर पर भाजपा मोदी सरकार की उपलब्धियां गिना रगी हैं। इन सब के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ट्वीट सामने आया है। मोदी ने कई ट्वीट्स का जवाब देते हुए कहा कि स्नेह पाकर और मेहनत से काम करने की ताकत मिलती है। मोदी ने ट्वीट में कहा कि मैं सुबह से सरकार के 9 साल पूरे होने पर कई ट्वीट्स देख रहा हूं, जिसमें लोग 2014 के बाद से हमारी सरकार की सराहना कर रहे हैं। मोदी ने कहा कि इस तरह का स्नेह पाकर हमेशा विनम्र होता हूं और इससे मुझे लोगों के लिए और भी अधिक मेहनत करने की ताकत मिलती है।

एक अन्य ट्वीट का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि हमने पिछले 9 वर्षों में बहुत कुछ किया है और हम आने वाले समय में और भी अधिक करना चाहते हैं ताकि हम अमृत काल में एक मजबूत और समृद्ध भारत का निर्माण कर सकें। उन्होंने कहा कि हमारी उपलब्धियां इसलिए संभव हो पाई हैं क्योंकि भारत के लोगों ने एक स्थिर सरकार चुनी है जो प्रमुख वादों को पूरा करने में सक्षम रही है। यह अद्वितीय समर्थन महान शक्ति का स्रोत है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि एनडीए सरकार ने जीवन को बदलने और भारत की विकास यात्रा को गति देने के लिए कई प्रयास किए हैं। एक अन्य ट्वीट पर उन्होंने कहा कि आपने प्रमुख बुनियादी ढांचे और ईज ऑफ लिविंग परियोजनाओं पर प्रकाश डाला है जो जमीनी स्तर पर बहुत प्रभावशाली रही हैं।

मोदी ने कहा कि 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं को पूरा करने का अवसर पाकर मैं वास्तव में बहुत सम्मानित महसूस कर रहा हूं। भले ही मोदी सरकार के 9 साल पूरे होने पर विपक्ष कई सवाल खड़े कर रहा है लेकिन भाजपा उसका जवाब भी दे रही है। इससे पहले भाजपा के रविशंकर प्रसाद ने कहा कि आज भारत, दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। आज 16 हजार करोड़ रुपये का डिफेंस एक्सपोर्ट हो रहा है। भारत मोबाइल मैन्यूफेक्चरिंग में दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मैन्यूफेक्चरर बन गया है। उन्होंने कहा कि भारत में डिजिटल पेमेंट का आंकड़ा 10 बिलियन डॉलर का है। चाहे डिजिटल इंडिया हो, डिजिटल पेमेंट हो, जीएसटी, मोबाइल मैन्यूफेक्चरिंग, सड़कें, एयरपोर्ट, बिजली, किसानों की बात हो, नेशनल हाईवे की बात हो, स्टार्टअप इंडिया की बात हो, आज विकास के हर क्षेत्र में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है।

मोदी सरकार के नौ साल के कार्यकाल में महंगाई बेरोजगारी और कृषि संकट छाया रहा : चव्हाण

कोल्हापुर। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पिछले नौ साल के शासन में देश के विभिन्न क्षेत्रों में एक समान विकास देखने को नहीं मिला। केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के नौ साल पूरे होने के मौके पर यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए चव्हाण ने कहा कि आर्थिक कुप्रबंधन के कारण स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्र की उपेक्षा की गई है। उन्होंने दावा किया, मोदी सरकार के नौ साल के शासन में महंगाई, बेरोजगारी, कृषि संकट हावी रहा। केंद्र का कर्ज 2014 में 65 लाख करोड़ रुपये था, जो बढ़कर अब 135 लाख करोड़ रुपये हो गया है। चव्हाण ने कहा, बावजूद इसके, आम आदमी से डीजल, पेट्रोल और रसोई गैस पर भारी कर वसूला जा रहा है। सरकार ने इन करों के माध्यम से 29 लाख करोड़ रुपये एकत्र किए, लेकिन अब भी धन की कमी है और सरकार सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों को बेच रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर किया जा रहा है और अरबपति गौतम अडाणी की कंपनियों को लेकर अमेरिका स्थित हिंडनबर्ग रिसर्च के आरोपों पर केंद्र ने अब तक स्पष्टीकरण नहीं दिया है।

केंद्र सरकार के 9 साल पूरे होने पर सिब्बल ने साधा निशाना

नई दिल्ली। राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के नौ साल पूरे होने के एक दिन बाद शनिवार को काव्यात्मक अंदाज में उस पर निशाना साधते हुए कहा कि राजनीति बंट गई है जबकि अच्छे दिन घट गए हैं। सिब्बल ने 2024 के आम चुनाव में सरकार में परिवर्तन का भी आह्वान किया। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने भारतीय जनता पार्टी की अगुवाई में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार पर तब हमला किया जब एक दिन पहले प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल को नौ साल पूरे हो गए। सिब्बल ने तुकबंदी वाली पंक्तियों का इस्तेमाल कर सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, मोदी सरकार के नौ साल में मीडिया गोदी है और भारत मोदी है। डर और धोखा है, सुधार की कोई जरूरत नहीं है। राजनीति बंट गई है, अच्छे दिन घट गए हैं। विपक्ष जमींदोज है, प्रमुख नेता परेशान हैं। संस्थानों पर कब्जा है, समाज में फूट है। सिब्बल ने कहा, चलिए हम अब 2024 में परिवर्तन की दुआ करें।

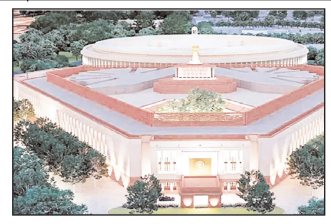

नए संसद भवन के पास सुरक्षा बढ़ाई गई

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 मई को नवनिर्मित संसद भवन का उद्घाटन करेंगे। सर्व खाप महापंचायत ने इसी दिन नए संसद भवन के बाहर महिला पंचायत आयोजित करने का आह्वान किया है। इसके मद्देनजर दिल्ली पुलिस ने पूरे लुटियंस जोन में सुरक्षा बढ़ा दी है।पिछले हफ्ते रविवार को हरियाणा के महम कस्बे में प्रदर्शनकारी पहलवानों के समर्थन में आयोजित महापंचायत में दावा किया गया था कि दिल्ली में होने वाली पंचायत में देशभर से आने वाली महिलाएं हिस्सा लेंगी।पुलिस के मुताबिक, नए संसद भवन के आसपास पर्याप्त सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की जाएगी। इसके अलवा, पूरे कार्यक्रम के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए मध्य दिल्ली में पुलिस पिकेट स्थापित किया जाएगा।एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, समारोह को सुरक्षित रखने के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं।

अधिकारी ने कहा, सीमावर्ती क्षेत्रों में पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था लागू की जाएगी, जिसमें चौकियों की स्थापना भी शामिल है, जहां पुलिस दिल्ली की सीमाओं से प्रवेश करने वालों के वाहनों का निरीक्षण करेगी।बजरंग पुनिया, साक्षी मलिक और विनेश फोगाट जैसे प्रमुख भारतीय पहलवान, जिन्होंने ओलंपिक और विश्व चैंपियनशिप की पहचान हासिल की है, 23 अप्रैल से जंतर-मंतर पर रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इन पहलवानों को किसानों और खापों ने भी अपना समर्थन दिया है।

पिछले महीने दिल्ली पुलिस ने यौन उत्पीड़न के आरोपों के आधार पर डब्ल्यूएफआई प्रमुख के खिलाफ दो अलग-अलग प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज की थीं। पहली प्राथमिकी एक नाबालिग द्वारा लगाए गए आरोपों से संबंधित है और यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत दायर की गई है।दूसरी प्राथमिकी वयस्क शिकायतकर्ताओं द्वारा की गई शिकायतों की व्यापक जांच पर केंद्रित है और इसमें शालीनता भंग करने से संबंधित आईपीसी की प्रासंगिक धाराएं शामिल हैं।

खेल
प्रमुख समाचार

चेन्नई और गुजरात टाइटंस के बीच खिताबी मुकाबला आज

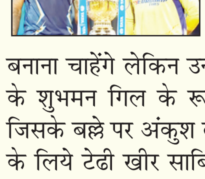

अहमदाबाद। चेन्नई सुपर किंग्स के करिश्माई कप्तान महेंद्र सिंह धोनी पांचवां आईपीएल खिताब जीतकर अपनी 'विदाई' को यादगार बनाना चाहेंगे लेकिन उनकी राह में गुजरात टाइटंस के शुभमन गिल के रूप में ऐसी 'रन मशीन' है जिसके बल्ले पर अंकुश लगाना इस सत्र में गेंदबाजों के लिये टेढी खीर साबित हुआ है।

आईपीएल फाइनल में 'मिडास टच' के लिये मशहूर एक अनुभवी कप्तान का सामना एक ऐसे युवा बल्लेबाज से है जो तकनीक में भी माहिर है लिहाजा दर्शकों को मनोरंजन की पूरी सौगात मिलेगी। एक भारतीय क्रिकेट का सुनहरा इतिहास है तो दूसरा आने वाले उज्ज्वल कल। करीब 19 साल पहले जब युवा धोनी भारतीय टीम में पदार्पण की तैयारी कर रहे थे तब चार साल का गिल पाकिस्तान सीमा पर पंजाब के फजिल्का गांव में अपने दादा द्वारा हाथ से बनाये गए बल्ले से अपने बड़े से खेत में खेल रहा था। रविवार को नरेंद्र मोदी स्टेडियम पर जब 1,32,000 दर्शक जल्दी ही 42 वर्ष के होने जा रहे धोनी को शायद आखिरी बार पीली जर्सी में देखेंगे तब भारतीय क्रिकेट का भावी सुपरस्टार गिल अपने हाथ में आईपीएल की ट्रॉफी थामने को बेताब होगा। तीन शतक और 851 रन बना चुके गिल के बल्ले पर अंकुश लगाना धोनी की सीएसके के सामने सबसे बड़ी चुनौती होगी। दीपक चाहर की स्विंग या रविंद्र जडेजा की विकेट पर गेंदबाजी। मोईन अली की आफ स्टम्प से बाहर जाती गेंद या मथीषा पथिराना की सीधे पैर पर पड़ती गेंद, कोई नहीं जानता कि तकनीक के धनी गिल की एकाग्रता किस गेंद पर भंग होगी। धोनी के प्रशंसक उन्हें अगले साल फिर खेलते देखना चाहेंगे लेकिन पूरा आईपीएल उन्होंने बायें घुटने पर पट्टी बांधकर खेला है लिहाजा उनके लिये अगले सत्र में फिर खेलना मुश्किल लग रहा है। इसलिये 'थाला' (तमिल में बड़ा भाई) के प्रशंसकों के लिये यह धोनी के आखिरी मैच के हर पल को यादों में कैद करने का अवसर है।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

आरबीआई ने सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया पर 84.50 लाख रुपये का जुर्माना लगाया

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा कि उसने धोखाधड़ी वर्गीकरण और रिपोर्टिंग से संबंधित मानदंडों के कुछ प्रावधानों का पालन नहीं करने के लिए सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया (बैंक) पर 84.50 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। रिजर्व बैंक ने 31 मार्च, 2021 तक बैंक की वित्तीय स्थिति के संदर्भ में बैंक के पर्यवेक्षी मूल्यांकन के तहत निरीक्षण किया था। रिपोर्टों की जांच से पता चला कि सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक संयुक्त ऋणदाता फोरम (जेएलएफ) की ओर से खातों को धोखाधड़ी घोषित करने के फैसले के सात दिनों के भीतर आरबीआई को धोखाधड़ी के रूप में रिपोर्ट करने में विफल रहा था। इसने अपने ग्राहकों से एसएमएस अलर्ट शुल्क वास्तविक उपयोग के आधार के बजाय फ्लैट आधार पर वसूला था।

टीडीएस और टीसीएस को जोड़ने जा रही सरकार

नई दिल्ली। सरकार ने टैक्सपेयर्स को राहत देने के लिए टीडीएस और टीसीएस को जोड़ने की तैयारी की है। सरकार किसी भी शख्स की इनकम के स्रोत पर की गई कर कटौती से उसके भुगतान के लिए स्रोत पर कर संग्रह को आपस में जोड़ देगी। मुख्य आर्थिक सलाहकार अनंत नागेश्वरन का कहना है कि सरकार, आपके टीडीएस को टीसीएस से इस तरह से जोड़ने की कोशिश में है कि अगर आपने टीसीएस दिया है तो वह कम टीडीएस के रूप में नजर आए। इस पूरी कवायद का मकसद यह है कि आपके नकद प्रवाह पर कोई असर न पड़े। नागेश्वन ने कहा कि टीसीएस और टीडीएस के बीच कोई मेल न होने से परेशान होने वाले टैक्सपेयर्स को नई व्यवस्था से राहत मिलेगी। सरकार की यह कोशिश ऐसे समय सामने आई है जब विदेशों में एक खास सीमा से अधिक खर्च पर एक जुलाई से 20% टीसीएस की व्यवस्था लागू होने जा रही है।

त्रिवेणी इंजीनियरिंग का चौथी तिमाही में नेट प्रॉफिट 74 % बढ़ा

नई दिल्ली। त्रिवेणी इंजीनियरिंग एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड का बीते वित्त वर्ष की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च, 2023) का शुद्ध लाभ 74 फीसदी बढ़कर 190.31 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि इससे पिछले वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में उसका शुद्ध लाभ 109.17 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी ने बताया कि मार्च, 2023 तिमाही में कंपनी की कुल आय 1,839.86 करोड़ रुपये रही जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 1,195.08 करोड़ रुपये थी। त्रिवेणी इंजीनियरिंग एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड चीनी के साथ-साथ उच्च गति वाले गियर और गियर बॉक्स निर्माण से जुड़ी हुई है। कंपनी जल एवं अपशिष्ट जल प्रबंधन कारोबार से भी जुड़ी है। कंपनी का पूरे वित्त वर्ष 2022-23 में शुद्ध लाभ भारी उछाल के साथ 1,791.80 करोड़ रुपये रहा, जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 424.06 करोड़ रुपये रहा था।

विदेशी मुद्रा भंडार में छह अरब डॉलर की गिरावट

मुंबई/नई दिल्ली। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 19 मई को समाप्त सप्ताह में 6.052 अरब डॉलर घटकर 593.47 अरब डॉलर रह गया। इससे पहले लगातार दो सप्ताह तक मुद्रा भंडार बढ़ोतरी के साथ करीब 600 अरब डॉलर के करीब पहुंच गया था। अक्तूबर, 2021 में यह 645 अरब डॉलर के ऐतिहासिक स्तर पर था। आरबीआई के शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी मुद्रा भंडार में प्रमुख हिस्सेदारी रखना वाली विदेशी मुद्रा संपत्ति 19 मई वाले सप्ताह में 4.654 अरब डॉलर घटकर 524.945 अरब डॉलर रह गई। देश का स्वर्ण भंडार भी 1.227 अरब डॉलर कम होकर 45.127 अरब डॉलर रह गया। इस अवधि में आईएमएफ के पास आरक्षित भंडार में 3.5 करोड़ डॉलर की गिरावट दर्ज की गई।बाजार नियामक सेबी जल्द ही पैसिव फंड में कम लागत पर निवेश करने के नियम ला सकता है।

चुनौतियों के बीच भी देश की वैश्विक साख बढ़ी

डॉ जयंती लाल भण्डारी

इन दिनों प्रकाशित हो रही विभिन्न वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों की रिपोर्टों में यह रेखांकित हो रहा है कि वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बीच भी भारत अनुकूल क्रेडिट रेटिंग के साथ दुनिया में आर्थिक प्रतिस्पर्धी देश के रूप में उभरकर आगे बढ़ रहा है। 18 मई को दुनिया की प्रमुख अमेरिका की एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग ने भारत की सॉवरेन रेटिंग स्थिर परिदृश्य के साथ दीर्घावधि के लिए 'बीबीबी' और कम अवधि के लिए ए-3' रखी है।

यह परिदृश्य बताता है कि भारत की मजबूत अर्थव्यवस्था और राजस्व में अच्छी वृद्धि राजकोष को मजबूती प्रदान करेगी। साथ ही एसएंडपी ने उम्मीद जताई है कि भारत की वास्तविक वृद्धि दर वित्त वर्ष 2024 में 6 प्रतिशत रहेगी क्योंकि निवेश और उपभोक्ताओं का रुख वृद्धि में अगले कुछ साल तक मददगार रहेगा। ऐसे में वित्त वर्ष 2025 और वित्त वर्ष 2026 में भारत के लिए 6.9 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान लगाया गया है।

गौरतलब है कि 11 मई को प्रमुख वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने कहा कि इस वित्तीय वर्ष 2023-24 में चुनौतीपूर्ण वैश्विक वित्तीय स्थिति के बावजूद भारत वैश्विक आर्थिक झटकों को इसलिए सरलतापूर्वक झेल जाएगा, क्योंकि भारत के चालू खाते के घाटे (सीएडी) में सुधार हुआ है। चालू खाते का घाटा कम अवधि की प्रमुख विदेशी देनदारी के रूप में पहचाना जाता है। इससे विनिमय दर और विदेशी निवेशकों की धारणा प्रभावित होती है।

यह बात भी महत्वपूर्ण है कि 9 मई को वैश्विक रेटिंग एजेंसी फिच ने भारत की रेटिंग बीबीबी- बरकरार रखी है। दीर्घ अवधि के ऋण पर भारत का परिदृश्य स्थिर रखा है। रेटिंग निर्धारित करते हुए फिच ने कहा कि भारत में पिछले कुछ वर्षों में सरकार के सहयोग से कंपनियों और बैंकों के बहीखाते में काफी सुधार हुआ है और आधारभूत संरचना के विकास पर भी अधिक ध्यान दिया जा रहा है।

निजी क्षेत्र भी बड़े स्तर पर निवेश करने की तैयारी कर रहा है। फिच ने कहा कि बढ़ी महंगाई, ऊंची ब्याज दरों और वैश्विक स्तर पर मांग में कमी की बड़ी चुनौतियों के बीच भारत की आंतरिक वित्तीय स्थिति थोड़ी कमजोर जरूर है और प्रति व्यक्ति आय और विश्व बैंक के मानकों पर भी भारत थोड़ा फिसला है। लेकिन दूसरे देशों की तुलना में भारत की आर्थिक वृद्धि की संभावनाएं काफी मजबूत हैं और विदेश से आने वाले वित्तीय संसाधन भी संतोषप्रद हैं। निवेश की बेहतर संभावनाओं के बीच वित्त वर्ष 2023-24 में देश की विकास दर 6 फीसदी और वित्त वर्ष 2024-25 तक देश की आर्थिक वृद्धि दर बढ़कर 6.7 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान है। इसी प्रकार एक्यूट क्रेडिट रेटिंग्स एंड रिसर्च ने वित्त वर्ष 2023 के लिए भारत के चालू खाते के घाटे से संबंधित अपने पूर्वानुमान को संशोधित किया है। इसे 106 अरब डॉलर से घटाकर 68 अरब डॉलर कर दिया है और भुगतान संतुलन घाटा भी पहले के 38 अरब डॉलर से घटाकर 17 अरब डॉलर कर दिया है। कहा गया है कि इस वर्ष कच्चे तेल का आयात बिल कम होने, निर्यात बढ़ने व प्रवासियों से विदेशी मुद्रा की अधिक प्राप्ति से भारत की वैश्विक साख बढ़ी है।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट में भी कहा गया है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की बढ़ी हुई अनिश्चितताओं के बीच भारत का मजबूत आर्थिक प्रदर्शन दुनिया में भारत की अहमियत बढ़ा रहा है। वर्ष 2023 में कुल वैश्विक विकास में भारत 15 फीसदी से भी अधिक का योगदान देगा। जहां पिछले वित्त वर्ष 2022-23 में भारत की विकास दर दुनिया में सबसे अधिक रही है, वहीं आगामी वित्त वर्ष 2023-24 में भी भारत की विकास दर 6.1 फीसदी के साथ फिर सर्वोच्च होगी। संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक सामयिक मामलों के विभाग के द्वारा प्रस्तुत 'विश्व आर्थिक स्थिति और संभावनाएं 2023' रिपोर्ट में भी भारत को उद्योग-कारोबार और निवेश के मद्देनजर विश्व का प्रमुख निवेश स्थल बताया गया है। यद्यपि दुनियाभर में भारत सबसे तेज अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में रेखांकित हो रहा है और भारत की वैश्विक आर्थिक साख संतोषप्रद है।

सत्ता साझा करने का फॉर्मूला कितना कारगर?

आदिति फडणीस

कर्नाटक में मुख्यमंत्री पद को लेकर मचे घमासान का पटाक्षेप हो गया है। सिद्धरमैया के मुख्यमंत्री की कुर्सी पर आरूढ़ होने के बाद कम से कम फिलहाल तो ऐसा ही प्रतीत हो रहा है। मगर इस बात को लेकर स्थिति अब भी साफ नहीं लग रही है कि सिद्धरमैया और उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी डी के शिवकुमार बार-बारी से मुख्यमंत्री बनने के समझौते पर सहमत हुए हैं या नहीं। यह बात भी समझ से परे है कि इस समझौते को इतना गुप्त क्यों रखा जा रहा है। यह सत्ता साझा करने का अब सामान्य फॉर्मूला हो गया है और दुनिया के कई देशों में ऐसा हो भी चुका है। उदाहरण के लिए इजरायल, मलेशिया और यहां तक कि ब्रिटेन में सत्ता साझा करने का सिद्धांत आजमाया गया है। ब्रिटेन में 1994 में लेबर पार्टी के तत्कालीन नेता जॉन स्मिथ के आकस्मिक निधन के बाद पार्टी के दो दिग्गज नेताओं टोनी ब्लेयर और गॉर्डन ब्राउन के बीच एक बैठक हुई। दोनों नेताओं के बीच हुए इस समझौते को 'ग्रनिटा समझौता' भी कहा जाता है। माना जाता है कि लंदन के इस्लिंगटन के एक रेस्तरां ग्रनिटा में दोनों नेताओं के बीच आपसी सहमति बनी थी। दोनों नेता इस बात पर राजी हुए कि ब्राउन लेबर पार्टी के नेता के चुनाव में खड़ा नहीं होंगे ताकि ब्लेयर की जीत आसान हो जाए। यह भी तय हुआ कि ब्लेयर इसके बदले ब्राउन को वित्त मंत्री बनाएंगे और घरेलू नीति पर उन्हें विशेष अधिकार देंगे। ऐसा माना जाता है कि ब्लेयर सहमत हो गए कि अगर वह प्रधानमंत्री बने तो केवल दो कार्यकाल तक ही रहेंगे और उसके बाद पार्टी की कमान ब्राउन को सौंप देंगे। मगर ब्लेयर ने ऐसा नहीं किया और बाद में दोनों नेताओं के बीच जमकर छींटाकशी हुई। भारत में दो मुख्य राजनीतिक दलों भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस की कार्यशैली को देखते हुए थोड़ा आश्चर्य हो रहा है कि सत्ता साझा करने का सिद्धांत लोकप्रिय होने में इतना अधिक समय क्यों लगा। यह फॉर्मूला पहली बार जम्मू कश्मीर में 2022 में आजमाया गया था और इसमें डॉ. मनमोहन सिंह मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे थे। यद्यपि, गुलाम नबी आजाद का कहना है कि वास्तव में उन्होंने बारी-बारी से सत्ता साझा करने की योजना का प्रस्ताव दिया था। अपनी जीवनी में आजाद ने लिखा कि उन्होंने मुफ्ती मोहम्मद सईद को इस फॉर्मूले की पेशकश की थी और उन्हें कहा था कि मुख्यमंत्री का पद दोनों दलों के पास बारी-बारी से रह सकता है। मगर मुफ्ती इस बात पर अड़ गए कि चूंकि, उनकी पार्टी को कश्मीर घाटी में अधिक सीटें मिली हैं इसलिए पहले तीन वर्षों तक वह राज्य के मुख्यमंत्री रहेंगे। दूसरी तरफ सोनिया गांधी का कहना था कि उनकी पार्टी के अधिक विधायक (42) जीत कर आए हैं इसलिए आजाद को मुख्यमंत्री बनने का पहला मौका मिलना चाहिए। आजाद ने अपनी जीवनी में कहा है, 'इसी समझौते की बदौलत केवल 16 विधायकों के साथ राज्य में तीसरे स्थान पर रहने वाली मुफ्ती की पार्टी का मुख्यमंत्री (मुफ्ती) बना जबकि 42 विधायकों का समर्थन होने के बावजूद मुझे राष्ट्रीय राजनीति में लौटना पड़ा।' मुफ्ती अपने वादे पर खरा उतरे। अपनी बारी समाप्त होने पर उन्होंने आजाद को कुर्सी पर बैठने का मौका दे दिया। मगर 2006 में कर्नाटक में ऐसा नहीं हुआ। तब एच डी कुमारस्वामी राजनीतिक दांव-पेच का इस्तेमाल कर भाजपा के साथ गठबंधन सरकार बनाने में सफल रहे थे। कुमारस्वामी की पार्टी के 45 विधायक थे जबकि भाजपा के पास 79 विधायक थे। दोनों दलों के बीच 2009 में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले तक 20-20 महीने सत्ता साझा करने का समझौता हुआ था। मगर अपनी बारी पूरी होने के बाद कुमारस्वामी समझौते की शर्त पूरी नहीं कर पाए। कुमारस्वामी के बाद बी एस येदियुरप्पा मुख्यमंत्री बने मगर वह केवल सात दिन ही पद पर रहे। कुमारस्वामी ने समर्थन वापस ले लिया जिससे गठबंधन सरकार गिर गई। 2018 में छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को शानदार जीत मिली। चुनाव में पार्टी को 90 सीट मिलीं, जबकि भाजपा मात्र 15 सीट तक सिमट कर रह गई। राज्य में कांग्रेस का नया चेहरा प्रस्तुत करने की राहुल गांधी की योजना के तहत ताम्रध्वज साहू को मुख्यमंत्री पद के लिए चुना गया। निवर्तमान विधानसभा में त्रिभुवनेश्वर सरण सिंह देव नेता प्रतिपक्ष थे। वह नई सरकार में बड़ा पद मिलने की उम्मीद कर रहे थे, यहां तक कि मुख्यमंत्री पद पाने तक की लालसा उनके मन में थी। मगर भूपेश बघेल को भी विधायकों का समर्थन था। बघेल और सिंह देव कांग्रेस आलाकमान से बात करने दिल्ली गए थे।

विपक्ष को विरोध करने का बहाना चाहिए

उमेश चतुर्वेदी

हिंदी का एक मुहावरा है, मौके पर चौका मारना। अवसर हाथ लगा नहीं कि उसका फायदा उठा लिया जाए। फायदा उठाने का तरीका जायज हो या नाजायज, कम से कम मौजूदा राजनीति इससे प्रभावित नहीं होती। नई संसद भवन के उद्घाटन के अवसर पर बीस विपक्षी दलों ने जो रणनीति अपनाई है, वह मौके पर चौका मारने वाली कहावत का बेहतरीन उदाहरण है। 28 मई को नई बनी संसद के भवन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करने जा रहे हैं, विपक्ष ने इसे मुद्दा बनाकर इस समारोह के बहिष्कार का ऐलान कर दिया है। विपक्षी दलों की मांग है कि इस भवन का उद्घाटन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से कराया जाना चाहिए। विपक्ष आरोप लगा रहा है कि मोदी सरकार ने ऐसा करके राष्ट्रपति पद की गरिमा और सम्मान को चोट पहुंचाई है।

यह ठीक है कि संविधान के अनुच्छेद 79 के तहत अपनी संसद के दोनों सदनों राज्यसभा और लोकसभा के अलावा एक अंग राष्ट्रपति भी हैं। यह देखते हुए तो विपक्ष की मांग प्रथम दृष्टया वाजिब भी लगती है। लेकिन इस मांग के लिए बाल हठ पकड़ते हुए उद्घाटन कार्यक्रम का बहिष्कार करना भी ठीक नहीं कहा जा सकता। संसदीय लोकतंत्र में संसद ना सिर्फ राष्ट्र की संप्रभुता की गारंटी है, बल्कि वह सबसे पवित्र और सर्वोच्च पंचायत भी है। वह ना सिर्फ देश को दिशा देती है, बल्कि राष्ट्र की संप्रभुता का संरक्षण भी करती है। इसलिए प्रधानमंत्री के नाम पर उसके उद्घाटन अवसर का बहिष्कार करना एक तरह से संसद की पवित्रता पर शुरुआत में ही आशंका की नींव बनाना है।

वैसे भी साल 2014 से जिस तरह विपक्ष राजनीतिक दांवपेंच चल रहा है, जिस तरह से आए दिन विपक्षी राजनीतिक एजेंडे वाले टूलकिट सामने आते रहे हैं, उससे देश में एक धारणा भी पुष्ट हुई है। धारणा यह कि चूंकि देश की कार्यपालिका के सर्वोच्च पद पर विपक्षी नजर में अनचाही शख्सियत नरेंद्र मोदी पहुंच चुकी है, इसलिए उसका विरोध करना है। यह अवधारणा भी स्थापित हुई है कि विपक्षी विरोध का एक मात्र लक्ष्य मोदी के विरोध के लिए विरोध करना है। इससे यह भी स्थापित हुआ है कि विपक्षी दल कार्यपालिका के सर्वोच्च पद पर मोदी के नाम को पचा नहीं पाया है। इसलिए वह अक्सर किसी न किसी बहाने वाजिब कम, गैर वाजिब मुद्दों पर विरोध करता रहता है। तमिलनाडु के किसानों का दिल्ली के जंतर-मंतर पर चले लंबे धरना हो, जिसमें कई बार जुगुप्सा पैदा करने वाले विद्रूप दृश्य भी नजर आए, या फिर नागरिकता संशोधन कानून में बदलाव का देशव्यापी विरोध, अफजल की फांसी का विरोध हो या फिर शिक्षा के कथित भगवाकरण के विरोध में जामिया, जादवपुर और जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में चला विरोध, रोहित वेमुला के नाम पर चला कथित दलित विरोधी मोदी सरकार के रुख के विरोध में चला आंदोलन हो या फिर किसान आंदोलन, ऐसे तमाम आंदोलन रहे, जिनके बारे में मोटे तौर पर देश में यह अवधारणा बनी है कि विपक्ष की शह पर ये सारे विरोधी आंदोलन सिर्फ और सिर्फ मोदी विरोध के लिए किए जा रहे हैं।

भारतीय जनता पार्टी की सरकार द्वारा पहले बिहार, फिर जम्मू-कश्मीर, फिर गोवा और बाद में मिजोरम के राज्यपाल बनाए गए सतपाल मलिक के विरोधी तेवर के पीछे भी अवधारणा यही बनी है कि चूंकि मोदी का विरोध करना है, इसलिए वे भी विरोध कर रहे हैं। पुलवामा हमले के पीछे विपक्षी दल मोदी सरकार की साजिश भी बताने से नहीं हिचके। पाकिस्तान की सीमा के भीतर घुसकर भारतीय सेनाओं ने जब सर्जिकल स्ट्राइक किया तो उसके भी सबूत मांगे गए। और तो और न्यायपालिका में हस्तक्षेप के नाम पर भी मोदी सरकार के खिलाफ मोर्चे खोले गए। इस पूरी प्रक्रिया में खुलकर कुछ यूट्यूबर भी विरोधी हवाबाजी का खेल खेलने लगे। हर विरोध प्रदर्शन और आंदोलन खड़ा करते वक्त विपक्षी दलों और मोदी विरोधी यूट्यूबरों को उम्मीद रही कि इससे मोदी की राष्ट्रीय छवि में दरार पड़ेगी। लेकिन हुआ ठीक उलटा। मोदी ब्रांड पर खास असर नहीं पड़ा। अतीत के ये अनुभव ही हैं कि संसद भवन के उद्घाटन को लेकर मचे सियासी घमासान को लेकर भी यही माना जा रहा है कि विपक्षी दल हाथ लगे इस मौके का इस्तेमाल मोदी विरोध के लिए जानबूझकर कर रहे हैं।

विपक्षी दलों ने फिलहाल राष्ट्रपति से उद्घाटन ना करने को मुद्दा बनाया है। लेकिन लोक का एक बड़ा हिस्सा यह भी मानता है कि अगर राष्ट्रपति उद्घाटन करतीं, तब भी विपक्ष नई संसद का विरोध करता। तब उसके मुद्दे कुछ और होते। वह इसका तालियां बजाकर स्वागत नहीं करता। आम चौराहे हों, या चायपान की दुकानें या फिर ट्रेन-बस की यात्राएं, यह चर्चा आम है। वैसे अक्टूबर 2020 में नई संसद की जमीन के लिए एजेंसियों ने काम शुरू किया। दस दिसंबर 2020 को प्रधानमंत्री ने इसका शिलान्यास किया। वैसे नई संसद बनाने की योजना भारतीय जनता पार्टी सरकार की है भी नहीं। साल 2010 में लोकसभा की तत्कालीन स्पीकर मीरा कुमार की अध्यक्षता में नए संसद भवन पर विचार करने के लिए एक समिति संसद ने बनाई थी। उसी समिति ने भविष्य की चुनौतियों से निबटने और भविष्य में बढ़ने वाली सांसद संख्या के लिहाज से नई संसद बनाने का प्रस्ताव दिया था। जिसे नरेंद्र मोदी सरकार ने स्वीकार किया। इसी सरकार ने सेंट्रल विस्टा परियोजना शुरू की, जिसमें नया सचिवालय, नई संसद, प्रधानमंत्री और उपराष्ट्रपति के निवास आसपास के परिसर में बनाने का फैसला किया। उसी कड़ी में तैयार संसद भवन के उद्घाटन पर विवाद हो रहा है।

वैसे यह भी याद करना चाहिए कि संसदीय सौध, जिसे पार्लियामेंट एनेक्सी के नाम से जाना जाता है, का उद्घाटन 24 अक्टूबर 1975 को तत्कालीन राष्ट्रपति ने नहीं, तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने किया था। इसी तरह 15 अगस्त 1987 को संसद के पुस्तकालय भवन का शिलान्यास तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने किया था। संसदीय सौध विस्तार यानी पार्लियामेंट हाउस एनेक्सी एक्टेंशन का शिलान्यास भी राष्ट्रपति से तत्कालीन सरकार या लोकसभा के स्पीकर ने नहीं कराया था। बल्कि इसे पांच मई 2009 को लोकसभा के तत्कालीन स्पीकर सोमनाथ चटर्जी और तत्कालीन उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी ने किया था। छत्तीसगढ़ विधानसभा का उद्घाटन अजीत जोगी ने तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से कराया था...राज्यपाल या राष्ट्रपति को नहीं बुलाया गया था।

अगले आम चुनाव की उलटी गिनती शुरू हो गई है। फिर कुछ ही दिन पहले विपक्षी कांग्रेस ने कर्नाटक को भारतीय जनता पार्टी से छीन लिया है। इससे विपक्ष उत्साहित है। उसे लगता है कि अगर नरेंद्र मोदी को घेर लिया जाए तो साल 2024 के चुनावी नतीजे बदल सकते हैं। संसद के उद्घाटन का मौके के ठीक पहले कर्नाटक की कांग्रेसी जीत ने उत्साहित विपक्ष को मौका दे दिया और विपक्ष इसे भुनाने में जुट गया। इस पूरी प्रक्रिया में विपक्षी दलों की ओर से लोकसभा स्पीकर को जानबूझकर निशाना नहीं बनाया जा रहा। जबकि लोकसभा का अध्यक्ष ही संसद परिसर का असली प्रशासक होता है। जाहिर है कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने ही प्रधानमंत्री को नए संसद भवन के उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया है।

विपक्षी बहिष्कार की घटना से 2001 के संसद के बहिष्कार की याद आना स्वाभाविक है। तब ताबूत घोटाले के बाद जार्ज फर्नांडिस को अटल बिहारी वाजपेयी ने फिर से रक्षा मंत्री बना दिया था। उन दिनों संसद में जिस दिन रक्षा मंत्रालय से संबंधित सवाल पूछे जाने होते, समूचा विपक्ष जार्ज का बहिष्कार करते हुए संसद से बाहर हो जाता। विपक्ष खुलेआम उन्हें रक्षा मंत्री मानने से इंकार कर रहा था। संसद के शीतकालीन सत्र में यह रवायत जारी थी, इसी बीच 13 दिसंबर को संसद पर आतंकवादियों का हमला हुआ। भयभीत सांसद संसद के केंद्रीय कक्ष में डर और आशंका के साये में परेशान थे। इसी बीच वहां रक्षा मंत्री जार्ज फर्नांडिस पहुंचे। तब तक हमलावर आतंकी मार गिराए गए थे और संसद भवन पर सेना की टुकड़ियों ने मोर्चा संभाल लिया था। केंद्रीय कक्ष में पहुंचे जार्ज फर्नांडिस ने सांसदों को आश्वस्त किया था, कि समूचे देश पर सरकार का नियंत्रण है। आतंकवादी मार दिए गए हैं। संसद भवन पर सेना पहरेदारी कर रही है। संसद परिसर में विमानभेदी तोपें तक तैनात कर दी गई हैं, ताकि आसमान से भी खतरा न रहे। जार्ज अभी यह बोल ही रहे थे कि उन्हें विपक्षी सांसदों ने घेर लिया। कोई उनसे हाथ मिलाने को लपक रहा था, तो कोई उन्हें अब तक का सबसे बेहतरीन रक्षा मंत्री बता रहा था। वही विपक्ष, जो कुछ देर पहले तक उन्हें रक्षा मंत्री मानने से इंकार कर रहा था। नए संसद भवन को लेकर भविष्य में विपक्षी दलों का भी रवैया कुछ वैसा ही होगा...ठीक साढ़े इक्कीस साल पहले वाले नजारे की तरह।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

कलिसंतरणोपनिषद्

कृष्णयजुर्वेद से सम्बद्ध इस उपनिषद् में यथा नामे तथा गुणे की उक्ति को चरितार्थ करते हुए कलियुग के दुष्प्रभाव से तर (पार हो जाने का अति सुगम उपाय वर्णित है। हरि नाम की महिमा वर्णित होने से इसे हरिनामोपनिषद् भी कहा जाता है।

इस लघुकाय उपनिषद् में कुल 3 मन्त्र हैं। नारद और ब्रह्मा जी के प्रश्नोत्तर रूप में यह उपनिषद् प्रकट हुई है। जिसमें कलिसंतरण (कलियुग के दुष्प्रभाव से बचने) का सुगम उपाय भगवन्नाम स्मरण बताया गया है। उपनिषद् का मानना है कि आत्मा (ब्रह्म) पर जो आवरण रहता है, जिसके रहते ब्रह्म साक्षात्कार सम्भव नहीं हो पाता; यह षोडशनामात्मक मन्त्र उस आवरण को नष्ट करने में समर्थ है। जिसके नष्ट होती ही ब्रह्म का स्वरूप साधक के लिए उसी प्रकार प्रकट हो जाता है, जिस प्रकार मेघाच्छन्न सूर्य वायु द्वारा मेघ के छिन्न-भिन्न कर देने पर स्वतः प्रकट हो जाता है। उपनिषद् के अन्त में नाम जप की महिमा का सुन्दर विवेचन किया गया है, इसी के साथ यह उपनिषद् पूर्ण हो जाती है।

द्वापर युग के अन्तिम काल में एक बार देवर्षि नारद पितामह ब्रह्माजी के समक्ष उपस्थित हुए और बोले- हे भगवन! मैं पृथ्वीलोक में भ्रमण करता हुआ किस प्रकार से कलिकाल से मुक्ति पाने में समर्थ हो सकता हूँ? ब्रह्माजी प्रसन्नमुख हो इस प्रकार बोले-हे वत्स! तुमने आज मुझसे अत्यन्त प्रिय बात पूछी है। आज मैं समस्त श्रुतियों का जो अत्यन्त गुह्य रहस्य है, उसे बतलाता हूँ, सुनो। इसके श्रवण मात्र से ही कलियुग में संसार- सागर को पार कर लोगे। भगवान् आदि पुरुष श्रीनारायण के पवित्र नाम के उच्चारण मात्र से मनुष्य कलिकाल के समस्त दोषों को विनष्ट कर डालता है।

देवर्षि नारद ने पुनः प्रश्न किया- पितामह! वह कौन सा नाम है? तदुपरान्त हिरण्यगर्भ ब्रह्मा जी ने कहा- वह सोलह अक्षरों से युक्त नाम इस प्रकार है-हरे राम हरे राम, राम राम हरे हरे हरे कृष्ण हरे कृष्ण, कृष्ण कृष्ण हरे हरे। इस प्रकार ये सोलह नाम कलिकाल के महान् पापों का विनाश करने में सक्षम हैं। इससे श्रेष्ठ अन्य कोई दूसरा उपाय चारों वेदों में भी दृष्टिगोचर नहीं होता।

क्रमशः ...

विनायक दामोदर सावरकर

अभिनय आकाश

विनायक दामोदर सावरकर, इस नाम का जितना जिक्र होता है, उतने ही पहलू बनते जाते हैं। एक के लिए वो महान क्रांतिकारी हैं, जिन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ आवाज उठाई और जेल गए। वो भी साधारण जेल नहीं बल्कि काला पानी सरीखा नर्क। एक दूसरे हिस्से में वो महान विचारक हैं जिन्होंने हिंदुत्व की विचार के नींव में कई पत्थर लगाए। सावरकर की जिंदगी का एक दूसरा पहलू भी है जिसमें लोगों को उनके नाम के आगे वीर लगाए जाने पर सख्त आपत्ति है। जिनके लिए वो महात्मा गांधी की हत्या के आरोपी हैं। इन सारी वजहों के चलते ही सावरकर एक ध्रुवीकरण का बड़ा चेहरा हैं। प्रशंसक और आलोचक दोनों पक्षों के पास अपने तर्क और तथ्य हैं। सबसे बड़ा विवाद एक है सावरकर द्वारा अंग्रेज सरकार से मांगी गई माफी। इतिहास का छात्र होने के नाते हम सभी को तथ्यों को जानना चाहिए और तथ्य अगर साफ तो हो तो उससे क्या मतलब निकलता है ये तय करने का हक सभी के पास है। बना दिया गया इतिहास का विवादास्पद किरदार

समकालीन भारतीय इतिहास में किसी को भी उनके जैसा विवादास्पद नहीं बनाया गया है। अपने प्रशंसकों के लिए वे सर्वोच्च बलिदान के अवतार थे। अपने आलोचकों के लिए, एक प्रजातांत्रिक व्यक्ति और वह व्यक्ति था जिसने अंग्रेजों से दया की अपील की थी। विनायक दामोदर सावरकर, एक ऐसे नेता हैं जिन्हें भुलाने की हर नामुकिन कोशिश इस देश में की गई। सावरकर जब केवल आठ वर्ष के थे, उन्होंने अपना खुद का एक महाकाव्य लिखना शुरू किया। उन्हें कभी भी यह एहसास नहीं हुआ कि उनका अपना जीवन वीरता, करुणा और त्रासदी से भरा हुआ रहा। उनके छात्र जीवन और उसके बाद की क्रांतिकारी गाथा ने उनके व्यक्तित्व के विभिन्न पहलुओं को प्रतिबिंबित किया जो बाद में प्रस्फुटित हुआ। वे एक कट्टर राष्ट्रवादी होने के साथ-साथ व्यावहारिक तर्कवादी भी थे। उनमें इतिहास के तथ्यों और आख्यानों को परखने और वैकल्पिक आख्यानों को स्थापित करने की क्षमता थी। वे एक राष्ट्रवादी होने के साथ-साथ एक वैश्विक नागरिक, एक कवि और प्रचारक, एक समाज सुधारक और एक वेदांतिक नास्तिक भी थे। आज, जो लोग उनकी विरासत का सम्मान करते हैं, उनके साथ यह महत्वपूर्ण है कि हम राष्ट्र निर्माण और राष्ट्रीय कायाकल्प के लिए उनकी प्रासंगिकता के लिए उनके जीवन और विचारों का गंभीर रूप से अध्ययन करें।

सावरकर को मुख्य रूप से एक स्वतंत्रता सेनानी के रूप में जाना जाता है, जिन्होंने लगभग एक दशक तक भीषण और लगातार यातनाएं झेलीं और उन्हें तब भी केवल सशर्त स्वतंत्रता दी गई थी। उनके अनुयायियों ने उन्हें शिव के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला विशेषण मृत्यु का नाशक या मृत्युंजय तक बताया। यह उनकी प्रमुख विरासत है। स्वाभाविक रूप से, उनके वैचारिक उत्तराधिकारियों के राजनीतिक शत्रु आज सावरकर की इसी विरासत को निशाना बनाते हैं। हाल ही में, उन्हें जेल से रिहा करने के लिए अंग्रेजों को याचिका देने के लिए कायर के रूप में बदनाम और ब्रांडेड किया जा रहा है।

राजनयिक युद्ध में पुतिन को मात दे रहे हैं जेलेंस्की

नीरज कुमार दुबे

शारीरिक, सामरिक, आर्थिक और सैन्य ताकत में भले रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की पर भारी पड़ते हों लेकिन कुछ ऐसे भी पहलू हैं जोकि जेलेंस्की को पुतिन से ज्यादा ताकतवर बनाते हैं। वैश्विक स्थिति को देखें तो अधिकतर देशों का समर्थन यूक्रेन के साथ है जबकि रूस अलग-थलग पड़ा हुआ है। जो देश उसके साथ हैं वह भी हर बात पर और खुल कर उसका समर्थन करने की बजाय रूस को बातचीत से मसला सुलझाने की सलाह ही दे रहे हैं। देखा जाये तो रूस से चल रही लड़ाई में यूक्रेन भले पिछड़ रहा हो लेकिन राजनयिक रूप में वह रूस पर भारी पड़ रहा है। युद्ध शुरू होने के बाद से यूक्रेन ने राजनयिक रूप से आक्रामक रुख अपनाया हुआ है।

राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की अपने अंतरराष्ट्रीय एजेंडे में यूक्रेन को सबसे ऊपर रखने के प्रयासों के तहत बीते कई हफ्तों से एक के बाद एक विभिन्न देशों की यात्रा कर रहे हैं और वैश्विक सम्मेलनों में भाग ले रहे हैं। उनकी बदौलत यूक्रेन को युद्ध के लिए, सैन्य, आर्थिक और राजनीतिक समर्थन भी मिल रहा है। देखा जाये तो जेलेंस्की की कूटनीति अपेक्षाकृत सफल रही है। उनकी नीतियों की सफलता ने संकटग्रस्त बखमुत शहर के आसपास यूक्रेन की सेना को मिले हालिया झटकों की कुछ हद तक भरपाई भी की है। हम आपको बता दें कि जेलेंस्की ने 13 से 15 मई के बीच रोम, बर्लिन, पेरिस और लंदन की यात्राएं कर यूक्रेन के लिए यूरोपीय देशों का महत्वपूर्ण सैन्य समर्थन जुटाया, जिससे देश की आक्रामक और रक्षात्मक सैन्य क्षमताओं को बढ़ावा मिला। जेलेंस्की ने 19 मई को

जेद्दा, सऊदी अरब का दौरा किया और फिर जी7 शिखर सम्मेलन के लिए, हिरोशिमा रवाना हो गए। सऊदी अरब में उन्हें अरब लीग के सभी 22 सदस्य देशों को संबोधित करने के लिए एक मंच दिया गया और सऊदी 'क्राउन प्रिंस' मोहम्मद बिन सलमान के साथ उनकी मुलाकात हुई। इसके जरिए जेलेंस्की को अपनी 10 सूत्री शांति योजना को पेश करने और रूस के आक्रमण की निंदा करने का मौका मिला। दूसरी ओर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अरब लीग को एक पत्र लिखकर खानापूर्ति की, जिसमें लीबिया, सूडान और यमन में जारी युद्ध में समर्थन की पेशकश की गई थी।

हालांकि सऊदी अरब में जेलेंस्की की शांति योजना के प्रति कोई खास प्रतिबद्धता नहीं दिखी और न ही रूस के खिलाफ कोई स्पष्ट रुख तय हुआ। लेकिन शिखर सम्मेलन ने पारित जेद्दा घोषणापत्र में अरब नेताओं ने देशों की संप्रभुता, स्वतंत्रता और क्षेत्रीय अखंडता के प्रति सम्मान का स्पष्ट रूप से जिक्र किया। जेद्दा से, जेलेंस्की हिरोशिमा रवाना हुए। वहां पहुंचकर उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज़ इनासियो लूला डा सिल्वा की उपस्थिति में सभा को संबोधित किया। इस संबोधन के जरिए उन्हें 'ग्लोबल साउथ' के दो प्रमुख देशों भारत और ब्राजील तक अपनी बात पहुंचाने का अवसर मिला, जिन्होंने अभी तक यूक्रेन पर रूस के आक्रमण की निंदा नहीं की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तो जी7 सत्र को संबोधित करते हुए कहा भी कि वह यूक्रेन में मौजूदा हालात को राजनीति या अर्थव्यवस्था का नहीं, बल्कि मानवता एवं मानवीय मूल्यों का मुद्दा मानते हैं। उन्होंने कहा कि संवाद और कूटनीति ही इस संघर्ष के समाधान का एकमात्र रास्ता है। उन्होंने यथास्थिति बदलने के एकतरफा प्रयासों के खिलाफ एक साथ मिलकर आवाज उठाने का आह्वान भी किया। प्रधानमंत्री की ये टिप्पणियां यूक्रेन में रूस के युद्ध और पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ चल रहे सीमा विवाद की पृष्ठभूमि में आई।

दूसरी ओर, अपेक्षा के अनुरूप जी7 देशों के नेताओं ने आपस में चर्चा की और यूक्रेन पर अलग से एक बयान जारी किया, जिसमें रूस की पहले की तरह कड़ी निंदा की गई और यूक्रेन के समर्थन का संकल्प लिया गया। इन बैठकों में यूक्रेन के लिए समर्थन जारी रखने पर भी सहमति बनी। इसके बाद 25 मई को यूक्रेन रक्षा संपर्क समूह की 12वीं बैठक हुई। उम्मीद है कि इस बैठक में यूक्रेन को एफ-16 लड़ाकू विमानों की आपूर्ति में तेजी लाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। बंद दरवाजों के भीतर हुई जी7 समूह की बैठकों के बाद उसके नेताओं ने यूक्रेन पर छह पृष्ठों के एक बयान में सख्त लहजे में कहा, "यूक्रेन के लिए हमारा समर्थन कम नहीं होगा। हम यूक्रेन के खिलाफ रूस के अवैध, अनुचित और अकारण युद्ध के विरोध में एक साथ खड़े होने का संकल्प लेते हैं। रूस ने इस युद्ध की शुरुआत की थी और वह इस युद्ध को समाप्त भी कर सकता है।"

ऐसे में सवाल उठता है कि क्या यह सैन्य तूफान से पहले की कूटनीतिक खामोशी है? स्पष्ट रूप से, यूक्रेन कम से कम अलंकारिक रूप से ही सही, अपने लंबे समय से प्रत्याशित आक्रामक रुख के लिए कमर कस रहा है। ऐसा लगता है कि जेलेंस्की के कूटनीतिक आक्रमण से उन्हें सैन्य समर्थन जुटाने में मदद मिली है और अब वह इस समर्थन का लाभ उठाकर रूस पर जोरदार सैन्य पलटवार करने की सोच रहे हैं।

यूक्रेन को पश्चिमी देशों का साथ मिल रहा है, इसमें कोई संदेह नहीं है लेकिन ग्लोबल साउथ के रुख में हल्का बदलाव आना भी कोई कम महत्वपूर्ण बात नहीं है। अरब लीग सम्मेलन में व्यक्तिगत रूप से शिरकत करने और प्रधानमंत्री मोदी से प्रत्यक्ष रूप से बात करना जेलेंस्की के लिए महत्वपूर्ण कूटनीतिक जीत है। लेकिन इससे रूस से लगी 1,000 किलोमीटर लंबी सीमा पर जमीनी हालात नहीं बदलने वाले। रूस ने अब भी यूक्रेन के छठवें हिस्से पर कब्जा कर रखा है। यूक्रेन ने पिछले साल गर्मी के अंत में रूस पर जवाबी हमला किया था, जो काफी सफल रहा था, लेकिन छह महीने से अधिक समय बीत जाने के बाद भी यह स्थिति बहुत अधिक नहीं बदली है। ऐसे में यूक्रेन के पास गर्मी के अंत में जोरदार हमला करने की तैयारियों के लिए कई महीने पड़े हैं। इस दौरान वह सैन्य आपूर्ति बढ़ाने, सैनिकों को प्रशिक्षित करने और अपनी शांति योजना के लिए व्यापक अंतरराष्ट्रीय समर्थन हासिल कर सकता है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या गर्मियों के बाद रूस पर फिर से किसी बड़े पलटवार की तैयारी कर रहा है यूक्रेन?

बापू की दिनचर्या

मालिश, हजामत और स्नान

सेवाग्राम में प्रातःकालीन वायुसेवन तथा रोगी-सेवा के बाद बापू चप्पल उतारकर अपनी कुटिया के चबूतरे पर बैठ जाते। जब तक राष्ट्रमाता कस्तूरबा जीवित रहीं, वे नित्य कपड़े से उनके चरणों की धूल पोंछा करतीं। इसके पश्चात् बापू अपने स्थान पर बैठकर भोर में किए गए कार्य के विषय में कुछ देखते, करते या सुझाते, अन्यथा मालिश, हजामत और स्नान आदि का उनका नित्यक्रम शुरू होता। इसमें एक-डेढ़ घंटा लगता। शरीर-परिमार्जन पर बापू विशेष ध्यान रखते। इतनी उम्र होने पर भी उनकी-जैसी शरीर-संपत्ति बिरले भाग्यवानों को नसीब होती है। वृद्धावस्था में और रक्तचाप जैसे रोग से आक्रांत तथा संसार की नानाविध चिंताओं के भार से दबे होने पर भी उनका स्वास्थ्य और शरीर इतना नीरोग और आकर्षक था, इसका कारण साधना ही कहा जा सकता है। स्नान, भोजन, शरीर शुद्धि, नींद और विविध शारीरिक क्रियाकलापों के समन्वयात्मक प्रभाव का प्रत्यक्षीकरण उनके नीरोग, दर्शनीय, स्वस्थ शरीर में होता। रक्तचाप को संतुलित रखने के लिए बापू नियमित मालिश कराते। उनको इसमें साधारणतः आध-पौन घंटा लगता। सावरमती में सारे शरीर में मालिश कराने के बजाय वे केवल तलुवों और सिर में तेल लगवाते। सामान्यतः पूर्वाह्न लगभग आठ बजे बापू की मालिश शुरू होती। यरवदा- जेल में सन् 1932 में वे नौ बजे मालिश कराते। उनकी मालिश बिलकुल शास्त्रीय और वैज्ञानिक पद्धति से होती। इस कार्य के लिए आश्रम के कुछ भाई-बहनों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया था। उन्हीं में से किसी को यह सौभाग्य प्राप्त होता रहता। प्रायः आश्रम में अपने को मालिश-मर्मज्ञ मानकर आनेवालों को एकाध बार में ही निराश होना पड़ता। यरवदा जेल में महादेव भाई देसाई को बापू की मालिश करने का अवसर मिला। सेवाग्राम में पुणे के डॉ. दिनशा मेहता और प्रवास में या बाहर मनुबहन गांधी को ऐसे अवसर मिलते रहते। भाई प्यारेलालजी, डॉ. सुशीला बहन नैयर, कनु भाई गांधी, मीरा बहन और ब्रजकृष्णजी चाँदीवाला ने भी यह सौभाग्य प्राप्त किया। सेवाग्राम में बापू सुबह सुहावनी सूर्य-किरणों में परदे की ओट लेट जाते और संपूर्ण शरीर में तेल मालिश कराते।

क्रमशः ...

संक्षिप्त समाचार

राजहरा वन परिक्षेत्र में दिखा तेंदुआ

दल्लीराजहरा। दल्लीराजहरा माइंस के पास रास्ते में एक तेंदुआ दिखा। गाड़ी के अंदर बैठे कर्मचारी ने इस तेंदुआ का वीडियो बनाया है। अब ये वीडियो सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हो रहा है. ये वीडियो 25 मई का बताया जा रहा। वहीं माइंस क्षेत्र में तेंदुआ देखें जाने से कर्मचारियों में दहशत का माहौल है. ये वीडियो दल्ली राजहरा वन परीक्षेत्र का बताया जा रहा है. हालांकि इस इलाके में पहले भी भालु और अन्य वन्य प्राणियों को जंगलों में देखा गया है. हालांकि तेंदुआ देखे जाने के बाद इलाके के लोग डरे हुए है और वन विभाग भी अब अलर्ट हो गया है कि तेंदुआ ग्रामीणों को कोई नुकसान न पहुंचाए।

जिला प्रशासन द्वारा तहसीलदारों की नवीन पदस्थापना आदेश जारी

दुर्ग। जिला प्रशासन दुर्ग द्वारा 4 तहसीलदारों की नवीन पदस्थापना की गई है। इनमें सुश्री ख्याति नेताम को तहसीलदार दुर्ग, श्रीमती प्रेरणा सिंह को तहसीलदार धमधा, श्रीमती क्षमा यदु को जिला निर्वाचन(सामान्य) दुर्ग एवं श्री गुरूदत्त पंचभाये को अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर नियुक्त किया गया है।

महिला एवं बाल विकास, स्वास्थ्य स्थायी समिति की बैठक 2 जून को

धमतरी। महिला एवं बाल विकास, स्वच्छता तथा स्वास्थ्य स्थायी समिति की बैठक आगामी दो जून को आहूत की गई। जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि दोपहर एक बजे से यह बैठक जिला पंचायत की सभाकक्ष में आयोजित की जाएगी।

जिला कौशल विकास समिति की बैठक 30 को

धमतरी। जिला स्तर पर युवाओं को कौशल विकास अधिकारी अधिनियम 2013 के उपबंधों को क्रियान्वित करने के लिए जिला कौशल विकास प्राधिकरण का गठन किया गया है। सहायक संचालक कौशल विकास ने बताया कि जिला कौशल विकास समिति की बैठक आगामी 30 मई को आहूत की गई है। कलेक्टोरेट सभाकक्ष में समय सीमा की बैठक के बाद आयोजित इस बैठक में लाइवलीहुड कॉलेज धमतरी द्वारा प्रधानमंत्री कौशल विकास के कार्ययोजना सहित अन्य विषयों की समीक्षा की जाएगी।

मौसम ने फिर ली करवट, तेज आंधी के साथ हुई जोरदार बारिश

गौरेला पेंड्रा मरवाही। नौतपा के तीसरे दिन आज फिर से मौसम ने करवट ली है। गौरेला पेंड्रा मरवाही में बारिश के साथ तुफान और गर्जना भी हो रही है। मई के महीने में 25 मई से नौतपा चालू हो गया था, अनुमान लगाया जा रहा था कि सूरज चिलचिलाती धूप में भीषण गर्मी लेकर आएगा। इसके उलट नौतपा के पहले दिन जिले में भारी मात्रा में बारिश हुई। वहीं, आज तीसरे दिन फिर दोपहर बाद से मौसम बारिश भरा हो गया। फिलहाल बारिश ने भीषण गर्मी से राहत तो जरूर दिलाई है। लेकिन जानकारों का मानना है कि जब नौतपा में बारिश होती है तो मानसून देर से आता है निश्चित इसका प्रभाव आने वाले समय में मानसून पर पड़ेगा और कम बारिश होगी। इससे किसानों एवं उत्पादन पर भारी प्रभाव पड़ सकता है। फिलहाल आज हुई बारिश के बाद मौसम में भारी परिवर्तन आया है, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिली है।

रेलवे स्टेशन प्लेटफॉर्म से पहले ही रुक गई लिंक एक्सप्रेस की 4-5 बोगियां

रायपुर। रायपुर रेलवे स्टेशन पर आज अलग ही दृश्य देखने को मिला। इसे देखकर सभी रेलवे यात्री चौंक गए। तरह-तरह की बातें करने लगे। दरअसल, रायपुर रेलवे स्टेशन पर आज शनिवार को विशाखापट्नम-कोरबा लिंक एक्सप्रेस प्लेटफार्म नंबर 3 पहुंची। इस दौरान ट्रेन की 4-5 बोगियां प्लेटफार्म नंबर 3 से बाहर ही खड़ी रह गईं। इस वजह से सफर कर रहे यात्रियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। 4 से 5 बोगियों के प्लेटफार्म से बाहर रुकने से यात्रियों को उतरने में भारी परेशानी हुई। यात्री तब हैरान रह गए ,जब उन्हें पता चला कि सिग्नल की वजह से ड्राइवर ने ऐसा किया है। चर्चा है कि रेलवे स्टॉफ की गलती की वजह से ऐसा हुआ। बता दें कि रायपुर रेलवे स्टेशन में पदस्थ स्टॉफ ने ट्रेन के लोको पायलट को आगे आने का सिग्नल देते रहे। इस वजह से ट्रेन प्लेटफार्म से और आगे बढ़ गई। स्टॉफ की गलती की वजह से ट्रेन के 4-5 डिब्बे प्लेटफार्म से बाहर ही निकल गए। इससे यात्रियों को विशेषकर महिलाओं, युवतियों को काफी परेशानी हुई। रेल यात्री इस दौरान भारी आक्रोशित दिखे। रेलवे की इस कार्य के लिए तरह-तरह की बातें करते रहे। बड़ी बात ये रही कि यात्रियों के उतरने के बाद ट्रेन को फिर से प्लेटफार्म पर लाया गया।

सरयूपारीण ब्राम्हण सभा के वैवाहिक पत्रिका का विमोचन आज

रायपुर। सरयूपारीण ब्राम्हण सभा रायपुर के द्वारा पहली बार प्रकाशित वैवाहिक पत्रिका का विमोचन कल, रविवार को शाम 5,30 बजे संजयनगर रिंगरोड स्थित भवन में किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य पूर्व मंत्री व विधायक अतिथि सत्यनारायण शर्मा, अतिविशिष्ट अतिथि गौसेवा आयोग के अध्यक्ष राजेश्री महन्त डॉ रामसुन्दर दास एवं विशेष अतिथि के रुप में कान्यकुब्ज ब्राम्हण समाज के अध्यक्ष अरुण शुक्ला उपस्थित रहेंगे। सरयूपारीण ब्राम्हण सभा के अध्यक्ष डॉ. सुरेश शुक्ला ने बताया कि इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट सेवा करने वाले सदस्यों का सम्मान भी किया जाएगा।

प्रमोद तिवारी ने मोदी सरकार के 9 साल पर पूछे 9 सवाल

पिछले 9 सालों में संवैधानिक और लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर किया गया

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल का 9 साल पूर्ण होने को है लेकिन इससे पहले कांग्रेस के सांसद और राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने मोदी सरकार पर जम कर निशाना साधते हुए शनिवार को राजीव भवन में पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि मोदी की भाजपा सरकार ने 2014 के चुनाव में सत्ता में आई और लोगों को महंगाई कम करने का झूठा वादा किया लेकिन आज महंगाई अपने चरम सीमा पर है। देश में अव्यवस्था और तानाशाही का राज चल रहा है। उन्होंने मोदी सरकार के 9 साल पूर्ण होने को लेकर 9 सवाल भी पूछे। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मोहन मरकाम, प्रवक्ता सुशील आनंद शुक्ला, धनंजय सिंह ठाकुर, विनोद तिवारी के अलावा अन्य कांग्रेसजन उपस्थित थे।

तिवारी ने पूछा कि ऐसा क्यों है कि देश में महंगाई और बेरोजगारी आसमान छू रही है? क्यों अमीर और अमीर हुए हैं और गरीब और गरीब ? सार्वजनिक संपत्तियों को मोदी जी के मित्रों को क्यों बेचा जा रहा है? काले कृषि कानूनों को रद करते समय किसान संगठनों के साथ हुए समझौतों को अभी तक लागू नहीं

किया गया है ? एमएसपी की गारंटी क्यों नहीं दी गई ? पिछले 9 सालों में भी किसानों की आय क्यों दोगुनी नहीं हुई? भ्रष्टाचार / मित्रवाद- अडानी को फायदा पहुंचाने के लिए एलआईसी और एसबीआई में जमा जनता के खून पसीने की कमाई को दांव पर लगा दिया? आप चोरों को क्यों भागने दे रहे हैं? आप भाजपा शासित राज्यों में हुए भ्रष्टाचार पर चुप क्यों हैं।

चीन को लाल आँख दिखाने की बात करने वाले प्रधानमंत्री ने उसे 2020 में क्लीनचिट दे दी, जबकि वह आज भी हमारी जमीन पर कब्जा करके बैठा है? चीन के साथ 18 बैठकें हुई हैं, फिर भी वह क्यों आक्रमक रवैया अपना रहे। चुनावी फायदे के लिए जानबूझकर बंटवारे की राजनीति को हवा दे रहे हैं और समाज में डर का माहौल बना रहे हैं? 2014 के बाद से नफरत से संबंधित अपराधों में तेजी से वृद्धि हुई है।

पिछले 9 सालों में संवैधानिक और लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर किया गया विपक्षी दलों और नेताओं के खिलाफ बदले की भावना से कार्रवाई क्यों की जा रही है? अरूणाचल प्रदेश, गोवा, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और मणिपुर में धन-बल का दुरुपयोग करके हानी हुई सीबीआई और ईडी के 95 प्रतिशत मामले उन राजनेताओं के खिलाफ हैं, जो विपक्षी दलों के हैं।

ऐसा क्यों है कि बजट में कटौती करके मनरेगा जैसी जनकल्याण की योजनाओं को कमजोर किया गया? गरीब, आदिवासी एवं जरूरतमंदों के सपनों को क्यों कुचला जा रहा है? कोरोना के कारण 40 लाख लोगों की मौत के बाद उनके परिवारों को मुआवजा देने से मना कर दिया गया? क्यों अचानक लॉकडाउन करके लाखों कामगार साथियों को घर जाने के लिए मजबूर किया गया और उन्हें उनके हाल पर छोड़ दिया गया ?

कोविड- 19 को लेकर श्री राहुल गांधी की शुरुआती चेतावनियों को नजरअंदाज किया। तिमाही जीडीपी 21 प्रतिशत गिर गई और एक खतरनाक मानवीय संकट पैदा हो गया। 4 करोड़ प्रवासी श्रमिक सड़कों पर आ गए। विनाशकारी दूसरी लहर के लिए ठीक से तैयारी नहीं हुई ऑक्सीजन, दवाइयों और हॉस्पिटल बेड्स की कमी के कारण भारत में सबसे अधिक 47 लाख लोगों की मौत हुई है।

10 एकड़ में जल्द बनेगा सुपर स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल

जगदलपुर। केंद्र सरकार व राज्य सरकार के द्वारा जगदलपुर के डिमरापाल में 10 एकड़ में 200 करोड़ की लागत से सुपर स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल तैयार किया जा रहा है। इस हॉस्पिटल के खुलने से बस्तर संभाग के साथ ही ओडिसा व तेलंगाना के मरीजों को काफी फायदा पहुंचेगा। इस हॉस्पिटल को जल्द से जल्द तैयार करने के लिए 22 मई को हेल्थ कमिश्नर के द्वारा एक बैठक आयोजित की गई थी। जिसमें आने वाले जुलाई माह तक इसे तैयार करने के साथ ही शुरू करने की बात कही गई है।

बताया जा रहा है की इस सुपर स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल के लिए सेटअप भी तैयार कर लिया गया है। जिसके लिए 277 पदों की भर्ती भी करने की बात कही गई है। एक और जहां तृतीय व चतुर्थ श्रेणी की भर्ती व्यापम के द्वारा परीक्षा के माध्यम से की जाएगी तो वहीं डॉक्टरों की भर्ती भी करने की बात कही गई है।

इस हॉस्पिटल के खुलने से मरीजों को 300 किमी. का सफर तय करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। क्योंकि यहां सड़क हादसे में घायल होने वाले मरीजों के सिर में लगने वाली गंभीर चोट का इलाज हो सकेगा, साथ ही गुर्दा, कार्डियो, न्यूरो सर्जन के अलावा अन्य गंभीर मरीजों के उपचार के लिए डॉक्टर उपलब्ध रहेंगे। वहीं, इस हॉस्पिटल का बाहरी काम के अलावा मशीनों का आना भी शुरू हो गया है, जिसे लगाने का काम भी शुरू हो गया है। वहीं, हेल्थ कमिश्नर के द्वारा रायपुर में हुए बैठक में बिलासपुर के साथ ही जगदलपुर में बन रहे सुपर स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल को जल्द ही शुरू करने की बात कही गई है।

एक लाख की इनामी महिला माओवादी गिरफ्तार

■ **कांकेर में नक्सलियों से मुठभेड़, दो-तीन नक्सली घायल, असलहे व आईईडी बरामद**

कांकेर। नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में एक बार फिर जवानों को सफलता हाथ लगी है। शुक्रवार देर रात हुई मुठभेड़ में एक घायल वर्दीधारी महिला नक्सली को पुलिस ने पकड़ा है। जिसने प्रारंभिक पूछताछ में दो से तीन अन्य नक्सलियों के घायल होने की जानकारी दी है। घटना स्थल से एक सिंगल शॉर्ट रायफल के साथ कारतूस, आईईडी विस्फोटक व अन्य आपत्तिजनक समान मिला है।

कांकेर जिले में नक्सलियों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत बीएसएफ और जिला पुलिस की संयुक्त टीम जंगलों की खाक छान रही है। शुक्रवार को भी बीएसएफ और डीईएफ की संयुक्त टीम बड़गांव के आसपास के जंगल में गश्त पर थी। इसी दौरान उरपांजूर के पास जवानों की नक्सलियों से मुठभेड़ हो गई। करीब आधे घंटे चली इस मुठभेड़ में नक्सली जंगल और पहाड़ों की आड़ लेकर भाग निकले। घटनास्थल पर सर्च करने के दौरान गंभीर रूप से घायल एक महिला माओवादी मिली। जिसे जवानों ने पकड़ लिया। महिला माओवादी के पैर में गोली लगने के कारण वह गंभीर रूप से घायल हो गई थी। बताया जाता है कि महिला माओवादी आरकेबी डिवीजन अंतर्गत कोटरी एरिया कमेटी के मदनवाड़ा, कोडेकुर्से संयुक्त एलओएस सदस्य फगनी पोडियामी है। जिस पर गंभीर अपराधों में

एक लाख रुपये का इनाम घोषित था। घायल नक्सली का उपचार जिला अस्पताल में जारी है।

पुलिस के अनुसार, घायल नक्सली महिला से जो प्रारंभिक जानकारी मिली है, उसके मुताबिक मुठभेड़ के दौरान लगभग 12 से 15 माओवादी मौजूद थे। जिसमें पांच लाख रुपये तक का इनामी माओवादी विनोद गावड़े भी मौजूद था। जवानों की जवाबी कार्यवाही में दो से तीन नक्सलियों के भी घायल होने की जानकारी मिली है। जिसे नक्सली अपने साथ लेकर फरार हो गए, लेकिन महिला माओवादी को छोड़ गए। जिसे पुलिस ने पकड़ लिया। वहीं मुठभेड़ के दौरान नक्सलियों ने आईईडी धमाका किया, जिसमें बीएसएफ के दो जवानों को भी मामूली चोट आई है, जो फिलहाल ठीक हैं। मुठभेड़ की जानकारी मिलने के बाद बैकअप टीम भी रवाना की गई। इलाके का सघन रूप से सर्च करने पर भारी मात्रा में नक्सल सामग्री मिली है।

सर्च में बरामद हुई ये नक्सल सामग्री

सिंगल शॉट रायफल- एक, सिंगल शॉट राउंड सात, 7.1 एमएम राउंड 23, 8 एमएम राउंड 15, 12 बोर राउंड छह, प्रेशर कुकर आईईडी छह, सोलर प्लेट एक, बिजली वायर तीन बंडल, रिमोट कंट्रोल सात, टॉर्च दो, छोटा बैटरी आठ, नक्सली वर्दी, पोच, पिट्ठु, नक्सल पर्चा आदि।

मेंढरा के जंगलों में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़

छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले के बड़गांव थाना इलाके के मेंढरा के जंगल में बीएसएफ और पुलिस बल के साथ नक्सलियों की मुठभेड़ हुई। जिसमें एक मओवादी महिला गोली लगने से घायल हो गई। वहीं, एक बीएसफ जवान को मामूली चोटें आई हैं। जानकारी के मुताबिक, कांकेर के थाना प्रतापपुर क्षेत्रांतर्गत बीएसएफ कैंप मेंडरा से जिला बल एवं बीएसएफ 178 बटालियन की संयुक्त पार्टी गांव मरकाचुवा की तरफ सर्च अभियान के लिए रवाना हुए। अभियान के दौरान करीब आठ बजे (थाना से लगभग 10 किमी उत्तर-पूर्व दिशा) ग्राम उपांजुर के पास पुलिस पार्टी और माओवादियों के बीच मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ में एक महिला माओवादी महिला को गोली लगी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हुई है। घायल माओवादी महिला की पहचान आरकेबी डिवीजन की सदस्या फगनी के रूप में शिनाख्ती हुई है। बताया जा रहा है कि फगनी एलओएस कमांडर विनोद मदनवाड़ा की पत्नी है। इस मुठभेड़ में एक बीएसएफ जवान विकास सिंह को मामूली चोट आई है, वर्तमान में उनका स्थिति सामान्य है व खतरे से बाहर है। जानकारी के अनुसार, नक्सल उन्मुलन अभियान के तहत मेंढरा के जंगलों में बीएसएफ और पुलिस का सयुक्त सर्च अभियान चलाया जा रहा था।

पहली बार विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम पहुंची पामेड़, मरीजों का किया इलाज

बीजापुर। बीजापुर जिले के अंतिम छोर पर बसे अतिसंवेदनशील पामेड़ में पहली बार विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम पहुंची और वहां के ग्रामीण मरीजों का इलाज कर उन्हें दवाएं दीं। जिला चिकित्सालय में पदस्थ चिकित्सा विशेषज्ञों की टीम ने जिले के अंतिम व अतिसंवेदनशील क्षेत्र पामेड़ में एक दिवसीय स्वास्थ्य शिविर का आयोजन कर सैकड़ों लोगों को स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराई।

बता दें कि पिछले दिनों बीजापुर में आयोजित स्वास्थ्य विभागीय समीक्षा बैठक में कलेक्टर राजेंद्र कटारा ने जिले के दूरस्थ व पहुंचविहीन क्षेत्रों में आम जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने व चिकित्सा विशेषज्ञों की टीम को भेजने के निर्देश विभाग प्रमुखों को दिए थे। इसके बाद बीजापुर के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अजय रामटेके ने छः सदस्यीय टीम बनाकर जिले के विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों में साप्ताहिक शिविर लगाने का आदेश जारी किया।

इसके तहत शुक्रवार को जिले के सबसे दूरस्थ एवम अतिसंवेदनशील क्षेत्र पामेड़ में पहली बार चिकित्सा विशेषज्ञों की टीम पहुंची। शिविर में सैकड़ों की संख्या में लोग पहुंचे। मरीजों को त्वरित उपचार कराने के साथ साथ कई मरीजों को बेहतर उपचार के लिए एक निश्चित तिथि में जिला चिकित्सालय आने को कहा गया। स्वास्थ्य शिविर के लिए खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. विकास गावेल व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पामेड़ में पदस्थ डॉ. सुनील गौड़ और उनकी टीम ने पूर्व से ही पूरी व्यवस्थाएं कर ली थी।

पहुंचहीन क्षेत्र में पहली बार चिकित्सा विशेषज्ञों को अपने बीच पाकर लोगों में खुशी का माहौल था। लगभग 98 मरीजों का इलाज करने एवम परामर्श देने के साथ-साथ करीब 36 मरीजों को चश्मा दिया गया। चिकित्सा विशेषज्ञों की टीम में डॉ. तरुण कंवर, नेत्र रोग विशेषज्ञ, डॉ. विभु तिवारी नाक कान गला रोग विशेषज्ञ, डॉ मंगेश शिशु रोग विशेषज्ञ, डॉ राहुल औषधि विशेषज्ञ, सदाशिव दुर्गम, गोविंद सुनम, पामेड़ के समस्त अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

राजनांदगांव स्टेशन में एनएसयूआई ने ट्रेनों की लेटलतीफी का किया विरोध

राजनांदगाँव। राजनांदगाँव रेलवे स्टेशन में एनएसयूआई जिला अध्यक्ष अमर झा के नेतृत्व में भारतीय जानता पार्टी के नेताओं की सद्बुद्धि के लिए हनुमान चालीसा का पाठ एवं आरती की गई। एनएसयूआई राजनांदगाँव ज़िला अध्यक्ष अमर झा ने कहा कि यात्री ट्रेनें लगातार रद्द होने से यात्रा करने वाले हजारों यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यात्रा के लिए टिकिट की बढ़ती कीमतों पर मोदी सरकार लगाम नहीं लगा पा रही है। बिना सूचना ट्रेनों का मार्ग बदल दिया जाता है। 8-10 घंटे देरी से चल रही ट्रेने छात्रों-युवाओं समेत यात्रियों को परेशानी में डाल रही है और मोदी सरकार समस्या का निराकरण करना छोड़ जुमलेबाजी में मस्त है आम जनता की तकलीफ़ की मोदी सरकार में कोई सुनवाई नही है। ऐसा प्रतीक हो रहा है मानो मोदी सरकार सिर्फ़ उद्योगपतियों और पूँजीपतियों की सरकार है आज मोदी सरकार को जगाने के लिए बजरंगबली से प्रार्थना की गई और राजनांदगाँव रेलवे स्टेशन में भारतीय जानता पार्टी के नेताओं की

सद्बुद्धि के लिए हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। आरती करके वहां उपस्थित लोगों को प्रसाद बाट कर भगवान से नरेंद्र मोदी और अश्विनी वैष्णव को सद्बुद्धि देने के लिए प्रार्थना की।

युवा कांग्रेस प्रदेश सचिव पवन तिवारी ने कहा कि जब से भाजपा की सरकार आयी है तब से देश में कमरतोड़ महंगाई छाई है। रेल और भेल (भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड) दोनों का सत्यानाश कर दिया है। भाजपा ने पहले ट्रेनों का रंगरोगन कर वन्दे भारत ट्रेन का नया नाम देकर मोदी जी ने ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। फ़िर ट्रेन बंद हो गई है। मार्च और मई के महीनों में तापमान 45 पार है। स्टेशन पर यात्री 7 से 8 घंटे ट्रेनों का इंतज़ार करते है जिसमें छोटे बच्चों से लेकर बड़े तक सभी उम्र के लोग है। यात्री परेशान हैं। राजनांदगाँव के भाजपा सांसद संतोष पांडे और विधायक रमन सिंह सिर्फ़ छात्तीसगढ़ की बुराई करने दिल्ली जाते है। छत्तीसगढ़ के हित में कोई बात नही करते।

इस दौरान मुख्य रूप से युवा कांग्रेस प्रदेश सचिव पवन तिवारी, एनएसयूआई जिला अध्यक्ष अमर झा, एनएसयूआई जिला उपाध्यक्ष साहिल सागर, शिशिर सिन्हा, एनएसयूआई उत्तर ब्लॉक अध्यक्ष साहिल वर्मा, एनएसयूआई जिला महासचिव शशांक डोंगरे, आयुष झा, युगल साहू, तिलक साहू, शुभम ठाकुर, हिमालय बांदे, अभिषेक सिंह, लोकेश्वर वर्मा, यमन शांदे, आशीष सागर, सुजल, जतिन, दीपक साहू, मोंटी एवं अन्य कार्यक्रता उपस्थित थे।

जीएसटी से राज्यों को राजस्व हानि, भरपाई की जल्द हो स्थायी व्यवस्था : बघेल

■ **नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की आठवीं बैठक में हुए शामिल**

रायपुर। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में नई दिल्ली में आयोजित नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की आठवीं बैठक में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल शामिल हुए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने बैठक से संबंधित एजेंडा बिन्दुओं के अतिरिक्त राज्यहित से जुड़ी विभिन्न योजनाओं और विषयों पर अपनी बात रखी। इस मौके पर सभी राज्यों के मुख्यमंत्री उपस्थित रहे।

बैठक के एजेंडे पर बात करते हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने 2047 का विकसित भारत, टीम इंडिया की भूमिका पर कहा देश की एकता और अखंडता अक्षुण्ण बनाए रखने में राज्यों की अहम भूमिका है। उन्होंने कहा केंद्र सरकार राज्यों के अधिकारों का सम्मान

करे और उसके हिस्से के संसाधनों को भी हस्तांतरित करने की प्रणाली को और मजबूत बनाए। मुख्यमंत्री ने एमएसएमई पर ज़ोर देते हुए कहा कि राज्य में ग्रामीण एवं कुटीर क्षेत्रों में उद्यमिता को बढ़ावा देने तथा क्षेत्र के संसाधनों को स्थानीय स्तर पर उपयोग किए जाने के उद्देश्य से ग्रामीण एवं कुटीर औद्योगिक नीति 2023-24 की घोषणा की गयी है।

उन्होंने कहा एनएमडीसी द्वारा राज्य में स्थित इकाइयों को 25-30 प्रतिशत आयरन ओर ही उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने समुचित आयरन ओर राज्य की इकाइयों के लिए उपलब्ध कराने का आग्रह किया। बघेल ने कहा छत्तीसगढ़ के एमएसएमई उद्योगों को एसईसीएल से विगत 2-3 वर्षों से राज्य की आवश्यकता अनुरूप कोल नहीं मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने इस विषय पर कार्यवाही कर छत्तीसगढ़ का हित सुरक्षित करने का आग्रह किया।

उन्होंने बताया कि आदिवासी अंचल बस्तर में औद्योगीकरण को बढ़ावा देने के लिए विगत चार वर्षों में लगभग 9 हजार करोड़ रूपए पूंजी निवेश हेतु एमओयू किए गए हैं। इनमें से इस्पात उद्योगों के लिए प्रतिवर्ष 3 मिलियन टन आयरन ओर की आवश्यकता होगी। उन्होंने अनुरोध किया कि इन इस्पात संयंत्रों की उत्पादन क्षमता के अनुरूप आयरन ओर आरक्षित रखा जाए तथा प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराया जाए। साथ ही विशेष प्रोत्साहन अंतर्गत एनएमडीसी द्वारा आयरन ओर की दर में भी 30 प्रतिशत छूट दी जाए।

इसके साथ ही उन्होंने 20 हजार से कम आबादी के शहरों में मनरेगा लागू करने का सुझाव भी दिया। मुख्यमंत्री ने रायपुर एयरपोर्ट से अंतर्राष्ट्रीय विमान सेवा शीघ्र शुरू करने व समन्वय हेतु नोडल अधिकारी की नियुक्ति का अनुरोध भी किया। बैठक में उन्होंने छत्तीसगढ़ के 10 आकांक्षी जिलों में सोलर पावर प्लांट की स्थापना के साथ ही 5 मेगावाट तक के सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना को हरित गतिविधियों के रूप में मान्य करते हुए वन संरक्षण अधिनियम के अंतर्गत वन व्यपवर्तन से छूट प्रदान करने की मांग की। मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं व शिशुओं की देखभाल के सभी कार्यक्रमों के लिए एकीकृत एमआईएस प्रणाली होनी चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने केंद्र प्रायोजित योजनाओं के तहत केंद्र-राज्य वित्त पोषण का हिस्सा 75-25 करने का अनुरोध किया। इसके अलावा उन्होंने बैठक में नवीन पेंशन योजना में जमा 19 हजार करोड़ की राशि की वापसी का मुद्दा भी उठाया। वहीं, उन्होंने जीएसटी क्षतिपूर्ति अनुदान की भरपाई की मांग भी की। मुख्यमंत्री ने कहा कि जीएसटी कर प्रणाली से राज्यों को राजस्व की हानि हुई है। छत्तीसगढ़ जैसे उत्पादक राज्यों के राजस्व हानि की भरपाई की कोई स्थायी व्यवस्था अतिशीघ्र की जाये। मुख्यमंत्री ने कहा केंद्रीय करों में राज्य का हिस्सा कम प्राप्त हो रहा है। मुख्यमंत्री ने 2659 करोड़ की राशि इस वित्तीय वर्ष में राज्य को उपलब्ध कराने की मांग की। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने खनिजों से मिलने वाली एडिशनल लेवी की 4 हजार 170 करोड़ राशि छत्तीसगढ़ को हस्तांतरण करने का आग्रह किया।

आदिवासी सीटों पर भाजपा की नजर

कहते हैं भाजपा की नजर राज्य की 29 आदिवासी सीटों पर हैं। आदिवासी सीटों पर पकड़ बनाने के लिए भाजपा के तमाम नेता आदिवासी इलाकों पर फोकस कर रहे हैं। भाजपा के छत्तीसगढ़ प्रभारी ओमप्रकाश माथुर लगातार बस्तर का दौरा कर रहे हैं। वे पिछले महीने भी गए थे। 28 मई से चार दिन के दौरे पर फिर जाने वाले हैं। भाजपा की नजर कांग्रेस के असंतुष्ट आदिवासी नेताओं पर है। कहते हैं कांग्रेस के असंतुष्ट आदिवासी नेता अरविंद नेताम को भाजपा पार्टी में शामिल कर नंदकुमार साय का बदला लेना चाहती है, पर अरविंद नेताम भाजपा में शामिल होने की जगह बाहर से मदद के पक्ष में हैं। कहा जा रहा है आदिवासी वोटरों को साधने के लिए भाजपा चुनाव समिति का प्रमुख किसी आदिवासी नेता को बनाना चाहती है। चुनाव समिति के प्रमुख के लिए आदिवासी नेता विष्णुदेव साय और रामविचार नेताम चर्चा में है। खबर है कि चुनाव समिति का प्रमुख डॉ रमन सिंह और बृजमोहन अग्रवाल भी बनना चाहते हैं। चुनाव को छह महीने बचे हैं। अब देखते हैं पार्टी हाईकमान कब निर्णय लेता है।

विधायक वजनदार, मंत्री लाचार

सरकार ने कांग्रेस के विधायक बृहस्पत सिंह की मर्जी के खिलाफ काम करने वाले बलरामपुर के एसपी मोहित गर्ग का तबादला कर दिया, लेकिन एक मंत्री के खिलाफ चलने वाले एसपी का बाल बांका भी नहीं हुआ। मंत्री जी की आवाज नक्कार खाने की तूती बनकर रह गई। मंत्री जी ने पार्टी की शीर्ष बैठक में भी एसपी का मुद्दा उठाया था। विधायक बृहस्पत सिंह ने एसपी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था, इस कारण एसपी के हटने संभावना पहले से ही थी। मोहित गर्ग को बटालियन में भेज दिया गया है। बृहस्पत सिंह का किसी अफसर से 36 के आंकड़े का यह पहला मामला नहीं है। इसके पहले भी कुछ अफसरों से टकराहट हो चुकी है।

कही-सुनी

रवि भोई

ढेबर से खफा विधायक

कहते हैं रायपुर के महापौर एजाज ढेबर से रायपुर के तीनों कांग्रेसी विधायक खफा हैं। चर्चा है कि मर्जी के मुताबिक काम नहीं होने के कारण विधायक अपनी पार्टी के महापौर के खिलाफ लामबंद हो गए हैं। करीब छह महीने बाद विधानसभा चुनाव होने हैं और शहर विकास का सामना विधायकों को ही करना पड़ेगा। चुनाव सिर पर होने के कारण विधायकों को विकास काम की चिंता सताने लगी है। खबर है कि विधायक कुलदीप जुनेजा, सत्यनारायण शर्मा और विकास उपाध्याय महापौर के रुख की शिकायत मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से की है। कहा जा रहा है कि तीनों विधायक शुरू से एजाज ढेबर को महापौर बनाने के पक्ष में नहीं थे, लेकिन मुख्यमंत्री की इच्छा के सामने विधायकों की नहीं चली। महापौर एजाज ढेबर को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का करीबी माना जाता है। अब देखते हैं आगे क्या होता है।

डॉ. अभिषेक पल्लव खजूर के पेड़ पर अटके

सोशल मीडिया स्टार के तौर पर ख्यात 2013 बैच के आईपीएस डॉ. अभिषेक पल्लव को सरकार ने दुर्ग जैसे पुराने और प्रतिष्ठित जिले के एसपी पद से हटाकर कबीरधाम की कमान सौंप दी है। कहते हैं फेसबुक लाइव और सार्वजानिक कार्यक्रमों में सक्रियता अभिषेक पल्लव की राह में रोड़े बन गए। सरकार ने अभिषेक पल्लव को दंतेवाड़ा से दुर्ग लाया था, पर वे सोशल मीडिया में एक्टिव रहने के कारण ज्यादा चर्चित हो गए। खबर है कि भिलाई में आयोजित भेंट-मुलाकात कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से कुछ लोगों ने कहा भी कि उनसे ज्यादा तो वे एसपी अभिषेक पल्लव को जानते हैं। इसके बाद से ही लोग अभिषेक पल्लव के दुर्ग से हटने के कयास लगाने लगे थे। दुर्ग मुख्यमंत्री का गृह जिला है। अभिषेक पल्लव अब कबीरधाम के एसपी होंगे, जो दुर्ग से छोटा है। पिछले कुछ महीनों से कबीरधाम (कवर्धा) को काफी संवेदनशील भी माना जा रहा है।

भाजपा नेता का वन विभाग प्रेम

कहते हैं भाजपा के एक नेता का राज्य के वन विभाग से बड़ा प्रेम हो गया है और वे पार्टी के दूसरे नेताओं को वन विभाग के खिलाफ बोलने या लिखा-पढ़ी करने से रोकते हैं। कहा जाता है कि कुछ दिनों पहले भाजपा के कुछ नेताओं ने वन विभाग में गड़बड़ियों का पुलिंदा निकाला था और उसकी शिकायत भारत सरकार से करने के साथ सार्वजनिक भी करना चाहते थे, लेकिन वन विभाग प्रेमी भाजपा नेता ने ऐसा करने से रोक दिया। खबर है कि यह भाजपा नेता वन विभाग का आडिट करते हैं। इस कारण वन विभाग से उनका मोह है, साथ ही भय भी है कि भाजपा ही वन विभाग के साथ उलटा-सीधा कर दे तो उनकी दाल-रोटी की व्यवस्था ही छिन जाएगी।

भाजपा में नूरा-कुश्ती

कहते हैं प्रदेश भाजपा में इन दिनों प्रभारी सचिव नितिन नबीन और राज्य के कुछ नेताओं के बीच नूरा-कुश्ती का खेल चल रहा है। कहा जा रहा है कि नितिन नबीन राज्य के कुछ बड़े नेताओं को दरकिनार कर निर्णय लेना चाहते हैं। खबर है कि नितिन नबीन ने फैसले के लिए उन्हीं नेताओं से जमीन तैयार करवाई थी। भनक लगते ही राज्य के नेताओं में नितिन नबीन के प्लान को फेल कर दिया। माना जा रहा है कि नितिन नबीन राज्य के कुछ नेताओं से काफी जूनियर हैं। इस कारण वे बड़े नेताओं पर अपनी मर्जी थोप नहीं पाते। वे पुराने नेताओं से जमीन तैयार करवाकर फसल काट लेना चाहते हैं। इस कारण नितिन नबीन और राज्य के पुराने नेताओं में %तू डाल -डाल मैं पात-पात% की कहावत चरितार्थ हो गई है।

अब आईएएस अफसरों के तबादलों की बारी

भूपेश सरकार ने विधानसभा चुनाव से पहले राज्य के 12 जिलों के एसपी बदल दिए। 26 मई को जारी आदेश में जूनियर आईपीएस अफसरों को बड़े जिलों की कमान सौंपकर उन पर भरोसा जताया गया है तो वरिष्ठ आईपीएस को छोटे और कम महत्व वाले जिले दिए गए हैं। 2017 बैच के

आईपीएस सुनील शर्मा को सुकमा जैसे छोटे से जिले की जगह सरगुजा जैसा बड़ा जिला सौंपा गया है। 2014 बैच के शलभ सिन्हा को ट्राइबल इलाके से हटाकर मुख्यमंत्री ने अपने गृह जिले दुर्ग की कमान सौंपी है। कुछ आईपीएस को छोटा जिला दिया गया है तो तीन को लूप लाइन में भेज दिया गया। अब कहा जा रहा है कि 7-8 जिलों के कलेक्टर और मंत्रालय के कुछ अफसरों को भी इधर से उधर किया जाएगा। उम्मीद है कि अगले हफ्ते फेरबदल हो जाएगा।

सरकार में बने रहेंगे अलोक शुक्ला और अनिल टुटेजा ?

कहा जा रहा है रिटायर्ड आईएएस आलोक शुक्ला की संविदा अवधि बढ़ जाएगी और वे सरकार में बने रहेंगे। आलोक शुक्ला की तीन साल की संविदा अवधि 31 मई को समाप्त हो रही है। प्रमुख सचिव संसदीय कार्य के विरुद्ध संविदा पर कार्यरत आलोक शुक्ला स्कूल शिक्षा और तकनीकी शिक्षा के प्रमुख सचिव हैं। वे माध्यमिक शिक्षा मंडल के अध्यक्ष भी हैं। इसके अलावा भी उनके पास कई जिम्मेदारियां हैं। उद्योग संचालक अनिल टुटेजा भी इस महीने के आखिर में रिटायर हो जाएंगे। माना जा रहा है कि भूपेश सरकार अनिल टुटेजा को भी संविदा नियुक्ति दे देगी। कहते हैं अनिल टुटेजा उद्योग संचालक के साथ सरकार के कई महत्वपूर्ण काम संभालते हैं।

छत्तीसगढ़ में अब तक तीन चौथाई तेंदूपत्ता का संग्रहण पूर्ण

रायपुर। छत्तीसगढ़ में तेन्दूपत्ता संग्रहण वर्ष 2023 के दौरान अब तक 12 लाख 27 हजार मानक बोरा तेंदूपत्ता का संग्रहण किया जा चुका है, जो लक्ष्य के 75 प्रतिशत के करीब है। ज्ञातव्य है कि राज्य में चालू वर्ष के दौरान 16 लाख 72 हजार मानक बोरा तेंदूपत्ता के संग्रहण का लक्ष्य रखा गया है। वन मंत्री श्री मोहम्मद अकबर के मार्गदर्शन में वनांचल के आदिवासी-वनवासियों द्वारा तेंदूपत्ता का संग्रहण कार्य तेजी से जारी है।

प्रबंध संचालक राज्य लघु वनोपज संघ श्री अनिल राय से प्राप्त जानकारी के अनुसार राज्य में अब तक संग्रहित मात्रा में से वनमण्डल बीजापुर में 73 हजार 99 मानक बोरा तथा सुकमा में एक लाख 19 हजार 243 मानक बोरा तेंदूपत्ता का संग्रहण शामिल है। इनमें वनमंडल सुकमा में लक्ष्य एक लाख 8 हजार मानक बोरा के विरूद्ध एक लाख 19 हजार 243 मानक बोरा तेन्दूपत्ता का संग्रहण हो चुका है, जो लक्ष्य का 110 प्रतिशत है। इसी तरह वनमण्डल दंतेवाड़ा में 15 हजार 630 मानक बोरा, जगदलपुर में 20 हजार 971 मानक बोरा, दक्षिण कोण्डागांव में 18 हजार 608 मानक बोरा तथा केशकाल में 24 हजार 963 मानक बोरा तेंदूपत्ता का संग्रहण हुआ है। वनमण्डल नारायणपुर में 18 हजार 485 मानक बोरा, पूर्व भानुप्रतापपुर में 90 हजार 649 मानक बोरा, पश्चिम भानुप्रतापपुर में 32 हजार 196 मानक बोरा, तथा कांकेर में 33 हजार 342 मानक बोरा तेंदूपत्ता का संग्रहण हो चुका है।इसी तरह वनमण्डल राजनांदगांव में 60 हजार 569 मानक बोरा, खैरागढ़ में 24 हजार 49 मानक बोरा तेंदूपत्ता का संग्रहण हुआ है। बालोद में 19 हजार 17 मानक बोरा, कवर्धा में 32 हजार 97 मानक बोरा, वनमण्डल धमतरी में 20 हजार 584 मानक बोरा, गरियाबंद में 77 हजार 570 मानक बोरा, महासमुंद 70 हजार 78 मानक बोरा तथा बलौदाबाजार 15 हजार 949 मानक बोरा तेंदूपत्ता का संग्रहण किया गया है। वनमण्डल बिलासपुर में 25 हजार 200 मानक बोरा, मरवाही 10 हजार 683 मानक बोरा, जांजगीर-चांपा में 6 हजार 881 मानक बोरा, रायगढ़ में 49 हजार 23 मानक बोरा, धरमजयगढ़ में 70 हजार 861 मानक बोरा, कोरबा में 43 हजार 705 मानक बोरा तथा कटघोरा में 56 हजार 844 मानक बोरा का संग्रहण हुआ है। इसी तरह वनमण्डल जशपुर में 27 हजार 291 मानक बोरा, मनेन्द्रगढ़ 22 हजार 530 मानक बोरा, कोरिया में 15 हजार 626 और सरगुजा में 20 हजार 595 मानक बोरा, बलरामपुर में 71 हजार 156 मानक बोरा, सूरजपुर में 39 हजार 148 मानक बोरा तेंदूपत्ता का संग्रहण हो चुका है।

सबसे कम उम्र की बिटिया याशी जिसने किया माऊंट एवरेस्ट फतह

रायपुर। रायगढ़ जिले की रहने वाली पर्वतारोही याशी जैन ने पिछले दिनों माउंट एवरेस्ट फतह कर इतिहास रच दिया। छत्तीसगढ़ की पहली व भारत की सबसे कम उम्र की बिटिया है जिसने चार महाद्वीपों की सबसे ऊंची चोटी को फतह करके तिरंगा संग बेटी बचाओ का परचम फहराया। रायपुर प्रेस क्लब में पत्रकारों से चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा चलाई जा रही गोधन न्याय योजना पूरे देश में लागू हो क्योंकि इस योजना से किसान समृद्ध हो रहे है। उन्होंने कहा कि आज की बेटियां किसी से कम नहीं है और कंधे से कंधा मिलाकर चल रही है बस उनके हूनर को तरासने की जरुरत है।

माऊंट एवरेस्ट की अंतिम छोर जिसे डेथ विल कहा जाता है वहां पहुंची तो उसे ऐसा लगा कि वह अब आगे नहीं बढ़ पाएंगी क्योंकि वहां न तो खाने-पीने की चीज मिलती है और न ही ऑक्सीजन। फिर भी वह हार नहीं मानी और माऊंट एवरेस्ट फतह करने वाली छत्तीसगढ़ के साथ ही भारत की सबसे युवा लड़की बन गई। अभी तक इतनी कम उम्र में किसी भी लड़की ने माऊंट एवरेस्ट फतह नहीं की है। अब वे तीन महाद्वीपों की सबसे ऊंची चोटी की चढ़ाने करने की तैयारी में जुट गई है।तीन महाद्वीपों की सबसे ऊंची चोटी माऊंट एवरेस्ट फतह करके वहां भारतीय तिरंगा संग बेटी बचाओ - बेटी पढ़ाओं, गौधन न्याय योजना का परचम फहराया।

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

मोदी भक्ति की काली पट्टी बंधी है उन्हें गलत और सही नजर नहीं आ रहा है : धनंजय

रायपुर। पूर्व नेता प्रतिपक्ष एवं विधायक धरमलाल कौशिक के बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि छत्तीसगढ़ में विधानसभा के भवन के शिलान्यास कार्यक्रम में राज्यपाल महोदय भी आमंत्रित थे लेकिन वो निजी कारणों से कार्यक्रम में शामिल नहीं हो पाये थे और उक्त कार्यक्रम में तत्कालीन नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक भी मंच में विराजमान थे ऐसे में भाजपा के नेता संसद भवन के लोकार्पण कार्यक्रम में राष्ट्रपति को नहीं बुलाए जाने और राष्ट्रपति के हाथों से उद्घाटन नहीं कराए जाने के बचाव में कांग्रेस पर आरोप लगाकर आदिवासी वर्ग के साथ हो रहे अन्याय एवं अपमान के महापाप से बच नहीं सकते। मोदीभक्ति में लीन भाजपा नेताओं के आंखों में काली पट्टी बंधी वो सही और गलत का फैसला नहीं कर पा रहे हैं। भाजपा के नेता छपास रोग से ग्रसित है और छपने और दिखने के लिए वो किसी भी स्तर तक जा सकते हैं किसी का भी अपमान कर सकते हैं मर्यादाओं को तार-तार कर सकते हैं, झूठ बोल सकते हैं। देश के सर्वोच्च पद पर बैठी आदिवासी समाज की महिला का अपमान भाजपा की सरकार कर रही है।

भाजपा के गौठान विरोध कार्यों का स्थानीय जनता मुँह तोड़ जवाब देगी : उधोराम वर्मा

रायपुर । जिला कांग्रेस कमेटी रायपुर की मासिक बैठक आज जिला कांग्रेस मुख्यालय गांधी मैदान में हुआ ।आज की बैठक की अध्यक्षता उधोराम वर्मा अध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी रायपुर ने की। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में उन्होंने भाजपा द्वारा किये ज़ा रहे गौठान विरोधी गतिविधियों का डट कर मुकाबला करने की बात कही।उन्होंने महिला स्व- सहायता समूह की बहनो ,गौठान अध्यक्षों,गोबर बेचने वाले किसान युवाओ को आगे आकर विरोध करने की बात करने के साथ -साथ गौठान से ग्रामीणों को मिलने वाले प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष लाभ से अवगत कराएं । आज की बैठक में गौठान में कार्य करने वाली स्व सहायता समूह की बहने ,गोबर बेचने वाले किसान ,रीपा में कार्य करने वाले युवा साथी सभी लोग आगे आकर भाजपा द्वारा सरकार के सफल गौठान योजना का विरोध करने के विरुद्ध आवाज बुलंद किये ।सभी ने बारी-बारी से विरोध किया ।इस दौरान गौठान से जुड़े लोगो ने गांधी के ग्राम स्वराज के संकल्प को साकार करने वाले सरकार के महत्त्वाकांक्षी गौठान योजना के कार्यों एवं गतिविधियों का विस्तार से जानकारी दिये। भाजपा के द्वारा किए जा रहे विभिन्न कुत्सित कार्यों पर घोर आपत्ति एवं नाराजगी जाहिर की। बैठक के उपरान्त सभी लोग ,महिला स्व सहायताओ की बहनो ने रैली के रूप में गांधी मैदान कांग्रेस भवन से कोतवाली चौक ,छोटा पारा होते हुए राजीव गांधी चौक से वाइट हॉउस नगर निगम होते हुए कांग्रेस भवन में समापन हुआ।

पूर्व प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू के पुण्यतिथि पर उनको नमन किया

रायपुर। शहर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा आज गांधी मैदान स्थित कांग्रेस भवन मे पूर्व प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू जी की 59वीं पुण्यतिथि मनाई गई। इस अवसर पर उनकी छायाचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हे पुष्पांजलि दी गई। साथ ही उनके द्वारा किये गये कार्यो को भी स्मरण किया गया। इस पुण्यतिथि मे शहर अध्यक्ष गिरीश दुबे प्रशांत ठेंगडी नवीन चंद्राकर जी श्रीनिवास बंशी कन्नौजे अविनय दुबे पुष्पराज बैद शब्बीर खान प्रकाश पुजारा मुन्ना मिश्रा राजू नायक सुनील ध्रुव विष्णु राजपूत शशि शर्मा जय नारायण जलछत्री मोहम्मद नियाज मुन्ना सोनकर आदि उपस्थित थे।वही प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन रायपुर में प्रदेश कांग्रेस, मोर्चा संगठन प्रकोष्ठ विभाग की संयुक्त तत्वाधान में पं. जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि दी गयी। जिसमें प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम, राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी, प्रभारी महामंत्री प्रशासन रवि घोष, प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला, प्रवक्ता विकास तिवारी, राम गिडलानी, राजेन्द्र शुक्ला, महमूद अली, दिलीप सिंह चौहान, अशोक राज आहूजा, रवीन्द्र शुक्ला, मिथलेश निरोटी, केदार देवांगन, अनिल, पुष्पेन्द्र तिवारी उपस्थित थे।

रागी भी अपनी, लड्डू भी अपने फ़ायदा सबका

रायपुर। ज़िले के तिल्दा विकासखंड के ओटगन गौठान अब अपना मटेरियल-अपना प्रोडक्ट की राह पर चल पड़ा है। इस गौठान में महिला स्व सहायता समूह की सदस्य गौठान की बाड़ी में उपजाई रागी से लड्डू बनाने का काम शुरू कर चुकी है । पहले ही ऑर्डर पर इन महिलाओं को लगभग दस हज़ार रुपए का फ़ायदा हुआ है। ओटगन गौठान के रागी के लड्डुओं की स्थानीय बाज़ार में ख़ासी माँग है। महिला समूह अपने इस स्पेशल प्रोडक्ट को साठ रुपये प्रति पैकेट के दाम पर स्थानीय बाज़ार में बेच रही है। ख़ास बात ये है कि कामधेनु स्व सहायता समूह की सदस्य लड्डू बनाने के लिए रागी बाज़ार से नहीं ख़रीदती। लड्डू बनाने के लिए रागी का उत्पादन गौठान से लगी बाड़ी में खेती कर हो रहा है।ओटगन ग्राम पंचायत की सचिव श्रीमती शकुंतला नारंग ने बताया कि ओटगन गौठान से लगी बाड़ी में एक एकड़ रकबे में महिला समूह की सदस्य रागी की खेती कर रही है।पिछले सीजन रागी के लड्डू बेचकर दस हज़ार रुपये के फ़ायदे ने महिलाओं की इस व्यवसाय को बढ़ाने की तरफ़ प्रेरित किया है । इसके साथ ही मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की सरकार के मिलेट मिशन ने कामधेनु समूह की आशाओं को नए पंख लगा दिए है। ओटगन गौठान में कई आय मूलक गतिविधियाँ की जा रही है । महिलाएँ गोबर के दिए बनाने से लेकर पापड़, साबुन, पंचगव्य से कीटनाशक ब्रह्मास्त्र तक बना रही है।

जनजातीय समाज की वाचिक परंपरा का अभिलेखीकरण बनेगा पथ-प्रदर्शकः डॉ. संध्या भोई

रायपुर। आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान द्वारा भारत सरकार जनजातीय कार्य मंत्रालय एवं राज्य शासन के सहयोग से ज्त्ज्प् संस्थान में चल रहे तीन दिवसीय जनजातीय वाचिकोत्सव 2023 के दूसरे दिन शुक्रवार को तीन विषयों जनजातीय तीज-त्यौहार से संबंधित वाचिक ज्ञान, जनजातीय जीवन संस्कार (जन्म, विवाह, मृत्यु इत्यादि) संबंधी वाचिक परम्परा तथा जनजातीय समुदाय की उत्पत्ति संबंधी वाचिक परंपरा विषय पर जनजातीय वाचन किया गया।जनजातीय वाचिकोत्सव 2023 के प्रथम सत्र की अध्यक्षता डॉ. वेदवती मण्डावी, सेवानिवृत्त प्राध्यापक, दुर्ग ने की। इस सत्र में कुल 25 जनजातीय वाचकों ने जनजातीय तीज-त्यौहार से संबंधित वाचिक ज्ञान पर अपना ज्ञान साझा किया। जनजातीय समाज में मनाए जाने वाले विभिन्न तीज-त्यौहारों की उत्पति के संबंध में अपने वाचिक ज्ञान को साझा करने के साथ-साथ जनजातीय समाज की सामाजिक एवं धार्मिक व्यवस्था में इनके महत्व पर भी इन्होंने प्रकाश डाला। जनजातीय वाचिकोत्सव 2023 के द्वितीय सत्र की अध्यक्षता डॉ. किरण नुरूटी, सहायक प्राध्यापक, कोंडागावं एवं सह अध्यक्षता डॉ. संध्या भोई, सहायक प्राध्यापक, सरायपाली ने की। इस सत्र में कुल 22 जनजातीय वाचकों ने जनजातीय जीवन संस्कार (जन्म, विवाह, मृत्यु इत्यादि) संबंधी वाचिक परम्परा के संबंध में वाचिक ज्ञान साझा किया गया।

कांग्रेस के 9 सवाल के जवाब में बीजेपी ने पूछे 27 सवाल

■ कहा- 10 हजार किसानों के बच्चों ने की आत्महत्या

रायपुर। छत्तीसगढ़ कांग्रेस के 9 सवालों के जवाब में बीजेपी ने 27 सवाल कांग्रेस से पूछे हैं। छत्तीसगढ़ बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने आज बीजेपी कार्यालय एकात्म परिसर में कांग्रेस पर निशाना साधते हुए 9 सवालों के जवाब में 27 सवाल पूछे। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि कांग्रेस के साढ़े चार साल के कार्यकाल में 10 हजार किसानों और गरीबों के बच्चों ने आत्महत्या की है।

कांग्रेस के 9 सवालों के जवाब में बीजेपी ने 27 सवाल कांग्रेस से पूछे हैं। छत्तीसगढ़ बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने आज बीजेपी कार्यालय एकात्म परिसर में कांग्रेस पर निशाना साधते हुए 9 सवालों के जवाब में 27 सवाल पूछे। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि कांग्रेस के साढ़े चार साल के कार्यकाल में 10 हजार किसानों और गरीबों के बच्चों ने आत्महत्या की है। कुल 28 हजार लोगों ने आत्महत्या की है, जिसमें से 10 हजार गरीब, किसान परिवार के बच्चे शामिल हैं। इसका कांग्रेस सरकार को जवाब देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में रोजगार का हाल बेहाल है। भूपेश बघेल ने 10 लाख रोजगार देने का वादा किया था, जो अब तक अधूरा है। प्रदेश में मनरेगा का बुरा हाल है। राज्य सरकार पर कई गंभीर आरोप आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस हमारे 27 सवालों के जवाब में कांग्रेस के 9 सवाल समाहित है। केंद्र के 9 साल पूरे होने पर कहा कि जब भी देश कोई उपलब्धि हासिल करता है, कांग्रेस के पेट में दर्द होता है। इसलिए कांग्रेस इस प्रकार के सवाल उठा रही है।

हर सवाल के जवाब में तीन सवाल : बीजेपी ने कहा कि केन्द्र सरकार की उपलब्धियों और कार्ययोजनाओं का ब्योरा लेकर महासम्पर्क अभियान के दौरान सीधे जनता के बीच जाएगी। उन्हें केन्द्र सरकार की उपलब्धियों, योजनाओं व कार्यों से अवगत कराएगी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरूण साव ने कांग्रेस के सवालों के जवाब में सिलसिलेवार 27 सवाल करते हुए कहा है कि कांग्रेस के सवालों का सवाल ही जवाब है। उन्होंने कहा कि रायपुर आए कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी की इस मांग से भूपेश बघेल सहमत हैं कि कांग्रेस के लिये देश में अलग कानून हो? बीजेपी ने 9 सवाल के जवाब में हर सवाल पर तीन-तीन सवाल किए।

कथित महंगाई-बेरोजगारी के आसमान छूने पर: छत्तीसगढ़ की भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने 2 हजार करोड़ रूपये का महंगा शराब घोटाला क्यों किया? छत्तीसगढ़ में चपरासियों के 95 पदों के लिए दो लाख आवेदन जमा हो रहे हैं, तो भूपेश- सरकार के 10 लाख लोगों को रोजगार देने का वादा कहां खो गया? झूठ क्यों बोला?पेट्रोल- डीजल पर वेट कम कर छत्तीसगढ़ की सरकार ने जनता को राहत क्यों नहीं दी?

कृषि कानून संबंधी आरोपों पर :छत्तीसगढ़ में करीब एक हजार किसानों ने कांग्रेस शासन में आत्महत्या की है। इसके लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल शर्मिंदा क्यों नहीं हैं? क्यों मृत किसानों के परिजनों को मुआवजा नहीं दिया?छत्तीसगढ़ के किसानों/मजदूरों के 10 हजार बच्चों ने पिछले 4 वर्ष में रोजगार आदि नहीं मिलने पर आत्महत्या कर ली।

ननि कमिश्नर मयंक चतुर्वेदी मिले प्रशिक्षु टैटू कलाकारों से

रायपुर। जिला खनिज न्यास संस्थान की पहल पर कौशल उन्नयन कार्यक्रम के तहत संचालित टैटू प्रशिक्षण सत्र में आज नगर निगम कमिश्नर व रायपुर स्मार्ट सिटी लि. के प्रबंध संचालक श्री मयंक चतुर्वेदी प्रशिक्षु टैटू कलाकारों से मिले और प्रशिक्षण की उपयोगिता के संबंध में विस्तार से चर्चा की। परंपरागत टैटू व्यवसाय से जुड़े इन कलाकारों की प्रतिभा को नागरिकों तक पहुंचाने कला कौशल केन्द्र की रूपरेखा तैयार करने के साथ ही टैटू कॉर्निवाल जैसे बड़े आयोजन रायपुर में किए जाने हेतु निर्देशित किया है।स्थानीय आनंद समाज वाचनालय सभाकक्ष में विगत 25 मई से आयोजित हो रहे कौशल उन्नयन प्रशिक्षण सत्र में टैटू मास्टर शैली इस विधा से जुड़ी बारीकियों से प्रशिक्षु कलाकारों को अवगत करा रहे है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में ऐसे टैटू कलाकारों को प्राथमिकता के तौर पर सम्मिलित किया गया है, जो इस परंपरागत व्यवसाय से जुड़कर अपनी आजीविका संचालित कर रहे हैं। प्रशिक्षण हेतु तृतीय लिंग समुदाय सहित महिला व पुरुष टैटू कलाकार शामिल हो रहे हैं। प्रशिक्षण सत्र का आयोजन 8 जून तक होगा, जिसमें कला की बारीकियों के साथ ही अपने ग्राहकों से सद्व्यवहार, स्वास्थ्य व स्वच्छता संबंधी जरूरी उपायों के साथ ही टैटू बाजार में स्वयं को स्थापित करने की कला इन कलाकारों को सिखाई जा रही है। प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले प्रशिक्षु टैटू कलाकारों की पूरी जानकारी मोर रायपुर एप्प में दर्ज होगी, जहां से कोई भी नागरिक अपने पारिवारिक, सामाजिक, सांस्कृतिक या अन्य आयोजनों में इन्हें आमंत्रित कर इनकी सेवाओं का लाभ प्राप्त कर सकेंगे।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.